Website : www.mantrabharat.com
जुनून है सच लिखने का
हिन्दी दैनिक
डाक पंजीयन संख्याः-एल-2/9/रजि0/एडी0/119/15-17
संस्करण : लखनऊ
वर्ष : 11
अंक : 317
पृष्ठ : 6
मूल्य : 1.00
लखनऊ-रविवार,15 मार्च 2026

मंत्र भारत

लखनऊ, प्रयागराज,ग्वालियर एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

3 मायावती ने कांशीराम को भारत रत्न से सम्मानित | 4 अमेरिका-इजरायल के खतरनाक संपर्कों से भारत | 5 हंसिका के तलाक पर मुस्कान ने किया तंज

कोलकाता में पीएम मोदी की हुंकार

बंगाल से महाजंगलराज का होगा खात्मा, बदलाव दीवारों पर लिखा जा चुका

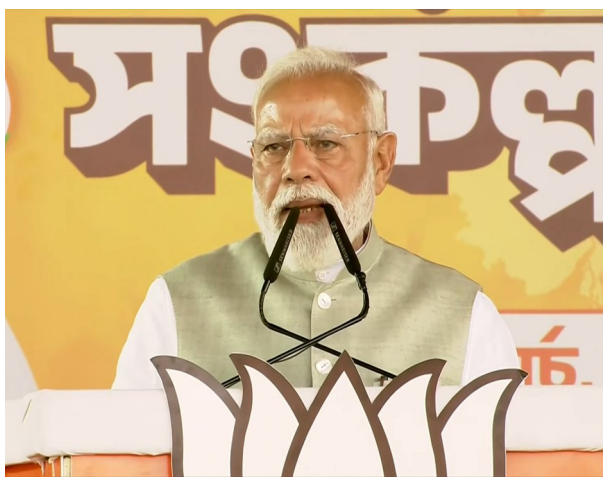

कोलकाता (एजेंसी)। पीएम मोदी ने कोलकाता में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि आज कोलकाता की धरती से पश्चिम बंगाल और पूर्वी भारत के विकास का नया अध्याय लिखा जा रहा है। सड़क, रेलवे और पोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़ी 18 हजार करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण हुआ है। इस दौरान पीएम मोदी ने टीएमसी सरकार पर हमला भी बोला। उन्होंने कहा कि बंगाल में बदलाव अब दीवारों पर भी लिखा जा चुका है और लोगों के दिलों में भी छप चुका है। अब बंगाल से निर्मम सरकार का अंत होकर रहेगा. अब बंगाल से महाजंगलराज का खात्मा होगा। पीएम ने कहा, ये प्रोजेक्ट पश्चिम बंगाल और पूर्वी भारत को नई रफ्तार देंगे, इनसे व्यापार और उद्योग को बढ़ावा मिलेगा, लाखों लोगों का जीवन आसान होगा, उन्हें नए अवसर मिलेंगे। आज देश में रेलवे को आधुनिक बनाने का तेज अभियान चल रहा है। हमारा ये संकल्प है कि पश्चिम बंगाल इस अभियान में पीछे न रहे.इसीलिए केंद्र सरकार पश्चिम बंगाल के रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर का भी तेजी से विस्तार कर रही है।इसके साथ ही पीएम मोदी ने अपने संबोधन में ममता सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि बंगाल में महाजंगलराज खत्म होगा, बदलाव अब दीवारों पर लिख चुका है। उन्होंने कहा कि निर्मन सरकार कुर्सी जाते देख बोखला गई है। उन्होंने कहा कि टीएमसी सरकार परिवर्तन को रोक नहीं पाएगी। पीएम मोदी ने कहा कि एक बार फिर से बंगाल में कानून का राज होगा। उन्होंने कहा कि टीएमसी के किसी भी अत्याचारी को छोड़ा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि निर्मम सरकार का काउंटडाउन शुरू हो गया है। उन्होंने कहा कि बंगाल से जंगलराज खत्म होकर ही रहेगा। उन्होंने कहा कि नए बंगाल की क्रांति का बिगुल बज चुका है। उन्होंने कहा कि बंगाल के विकास में बीजेपी दिन रात लगी है। उन्होंने कहा की निर्मम सरकार रैली में जनसैलाब को रोक नहीं पाई। उन्होंने कहा कि वह दिन दूर नहीं जब बंगाल में कानून का राज लौटेगा। उन्होंने कहा कि कानून तोड़ने वालों को बख्शा नहीं जाएगा, और टीएमसी के अत्याचारों को भी नहीं बख्शा जाएगा। उन्होंने कहा कि यह निर्दयी सरकार चाहे जितनी भी कोशिश कर ले, बदलाव की इस आंधी को रोक नहीं पाएगी। पीएम मोदी ने कहा कि आज भी इस सभा को रोकने के लिए निर्मम सरकार ने सारे हथियार निकाल लिए। आप लोगों को आने से रोकने के लिए ब्रिज बंद करवा दिए, गाड़ियां रुकवा दी, ट्रैफिक जाम करवाया, भाजपा के झंडे उखड़वा दिए, पोस्टर फड़वा दिए। लेकिन निर्मम सरकार साफ-साफ देख लो, आज के जनसैलाब को रोक नहीं पाई हो। पीएम ने कहा कि कल ज्डब्ने इस रैली में आने वाले आप सभी लोगों को चोर कहकर गाली दी है। असली चोर कौन है, ये बंगाल की प्रबुद्ध जनता जानती है उन्होंने कहा कि अपनी कुर्सी जाते हुए देखकर यहां की निर्मम सरकार बौखला गई है।

पांचवे दिन ध्वनिमत से 1.11 लाख करोड़ का बजट पारित

सत्र अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

भराड़ीसैंण(चमोली) (एजेंसी)। शुक्रवार को सदन में बजट पर चर्चा की गई। सत्ता पक्ष ने बजट को विकसित उत्तराखंड 2047 के संकल्प और सभी वर्गों को पूरा करने वाला बताया। वहीं, विपक्ष ने इसे निराशाजनक बताते हुए कहा कि इसमें आम जन के लिए कुछ नहीं है। गैरसैंण में आयोजित विधानसभा सत्र पांचवे दिन देर रात 12:30 बजे तक चला। इस दौरान धामी सरकार ने एक लाख करोड़ से ज्यादा का बजट पारित किया। इसके बाद सत्र अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया। सीएम धामी ने सोमवार को विधानसभा सत्र के पहले दिन वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 111703.21 करोड़ रुपये का बजट पेश किया था। वर्तमान वित्तीय वर्ष की तुलना में इस बजट के आकार में 10.41 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। बजट में सरकार ने आत्मनिर्भर व विकसित उत्तराखंड के संकल्प को पूरा करने के लिए ज्ञान व संतुलन का मंत्र दिया। यह पहला मौका है जब मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सदन में वित्त मंत्री के रूप में अपनी सरकार का बजट पेश किया था। सरकार को नए वित्तीय वर्ष में 111703.21 करोड़ का राजस्व प्राप्त होने का अनुमान है। इसमें 67525.77 करोड़ राजस्व प्राप्तियों व 42617.35 करोड़ पूंजीगत प्राप्तियों का योगदान शामिल होगा। कर मुक्त बजट में राजस्व घाटे का अनुमान नहीं है। वहीं, 12579.70 करोड़ राजकोषीय घाटा होने का अनुमान लगाया गया है।

उदयपुर टेम्पो हादसे में मृतकों की संख्या बढ़कर हुई 3, मुआवजे और नौकरी की मांग को लेकर ग्रामीणों का महापड़ाव

उदयपुर (एजेंसी)। जिले के गोगुन्दा थाना क्षेत्र में शुक्रवार शाम को हुआ भीषण टेम्पो हादसा अब एक बड़े जनांदोलन में बदल गया है। इस हादसे में घायल एक और व्यक्ति की मौत के साथ ही कुल मृतकों की संख्या तीन हो गई है। न्याय की मांग को लेकर शनिवार को सैकड़ों ग्रामीणों ने उपखण्ड कार्यालय का घेराव किया। पुलिस सूत्रों के अनुसार सुआवतों का गुडा निवासी मोहब्बत सिंह गंभीर रूप से घायल थे। उन्हें उदयपुर के महाराणा भूपाल चिकित्सालय में भर्ती कराया गया था लेकिन शनिवार को इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। इससे पहले शुक्रवार को मौके पर ही भोपाल सिंह और राम सिंह राजपूत की मौत हो गई थी। यह घटना सायरा तहसील के सुआवतों का गुडा गांव से जुड़ी है। गांव का बिजली ट्रांसफार्मर खराब हो गया था जिसे बदलने के लिए पांच ग्रामीण एक टेम्पो में उसे लादकर गोगुन्दा स्थित बिजली विभाग (एवीएनएल) के कार्यालय ले जा रहे थे। रास्ते में राव मादडा के पास टेम्पो अनियंत्रित होकर एक गहरे गड्ढे में गिर गया जिससे यह चीख-पुकार मच गई। शनिवार को हादसे की खबर फैलते ही सुआवतों का गुडा और आसपास के गांवों के लोग बड़ी संख्या में एकत्र हुए और गोगुन्दा उपखण्ड कार्यालय के बाहर धरने पर बैठ गए।

'बेहद जटिल स्थिति से निपट रहे, ऊर्जा सुरक्षा प्राथमिकता', प. एशिया संकट पर विदेश मंत्रालय के अहम अपडेट

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच शनिवार को भारत ने सुरक्षित ऊर्जा आपूर्ति और सामान के निर्बाध आवागमन की आवश्यकता पर जोर दिया और कहा है कि स्थिति बेहद जटिल है। विदेश मंत्रालय ने क्या कहा? इस संकट पर एक अंतर-मंत्रालयी ब्रीफिंग के दौरान विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि संघर्ष शुरू होने के बाद से भारत लगातार संवाद और तनाव कम करने की अपील करता रहा है। उन्होंने भारत की प्राथमिकताओं पर जोर देते हुए कहा कि सामान और ऊर्जा की आपूर्ति निर्बाध जारी रहनी चाहिए और नागरिक ढांचे, खासकर ऊर्जा से जुड़ी सुविधाओं पर हमले से बचना चाहिए। 'माल और उर्जा का निर्बाध पारगमन सुनिश्चित करना प्राथमिकता' प्रवक्ता ने कहा, भारत ने लगातार जोर दिया है कि माल और उर्जा के निर्बाध पारगम को सुनिश्चित करना उसकी प्राथमिकताओं में से एक रहा है। हमने पूरे क्षेत्र में उर्जा सहित नागरिक बुनियादी ढांचे को निशाना बनाने से बचने का भी आह्वान किया है। हमारा मानना है कि वैश्विक समुदाय के एक बड़े हिस्से की भी यही प्राथमिकताएं हैं। जायसवाल ने कहा, संघर्ष का प्रभाव वैश्विक स्तर पर महसूस किया जा रहा है। हमने खाड़ी सहयोग परिषद के सदस्यों, ईरान, अमेरिका और इस्राइल सहित सभी पक्षों से वातार्कारों के जरिये विभिन्न राजनीतिक और राजनयिक स्तरों पर संपर्क बनाए रखा है, ताकि उनके बातचीत की जा सके और अपनी प्राथमिकताओं पर जोर दिया जा सके, खासकर उर्जा सुरक्षा से जुड़ी प्राथमिकता। जायसवाल ने कहा, प्रधानमंत्री ने क्षेत्र में अपने समकक्षों से बात की है। पिछले कुछ दिनों में विदेश मंत्री और हमारे दूतावास भी अपने वातार्कारों के साथ लगातार संपर्क में रहे हैं। इस प्रक्रिया में जहाजरानी (शिपिंग) कंपनियों जैसे अन्य प्रमुख हितधारकों की चिंताओं को भी संबोधित करना पड़ा है।

मोगा बीजेपी रैली में केसरिया पगड़ी पहनकर पहुंचे अमित शाह

कहा, हिंदू-सिख एकता पंजाब की प्रगति की आधारशिला

बठिंडा (एजेंसी)। वरिष्ठ भाजपा नेता और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शनिवार को मोगा में आयोजित पार्टी की बदलाव रैली में केसरिया पगड़ी पहनकर पहुंचे। राज्य में पार्टी की मौजूदगी मजबूत करने के उद्देश्य से आयोजित इस रैली में बड़ी संख्या में पार्टी नेता और समर्थक जुटे। उन्होंने अपने संबोधन की शुरूआत जो बोले सो निहाल, सत श्री अकाल, वाहेगुरु जी का खालसा, वाहेगुरु जी की फतेह और भारत माता की जय से की। नानकशाही कैलेंडर के अनुसार नए साल की शुरूआत के महत्व का जिक्र करते हुए शाह ने अपनी केसरिया पगड़ी के प्रतीकात्मक महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि यह आस्था का प्रतीक है और सिख गुरुओं की शिक्षाओं को नमन करता है। उन्होंने मीडिया कर्मियों से भी आग्रह किया कि वे कार्यक्रम के दौरान जनता के दृश्य में बाधा न बनें। समर्थकों को संबोधित करते हुए शाह ने 2027 के पंजाब विधानसभा चुनाव में भाजपा सरकार बनाने के लिए विजय संकल्प लेने की अपील की। भीड़ में वंदे मातरम् के नारों के बीच उन्होंने लोगों से हाथ उठाकर समर्थन देने का आान किया और इसे राज्य के लिए एक परिवर्तनकारी राजनीतिक यात्रा की शुरूआत बताया। कार्यकताओं और समर्थकों की मौजूदगी वाली इस रैली में देशभक्ति का उत्साह और पंजाब की सांस्कृतिक-धार्मिक विरासत के प्रतीकात्मक संदर्भ देखने को मिले। पारंपरिक सिख और राष्ट्रीय नारों के साथ भाषण की शुरूआत कर शाह ने सांस्कृतिक गौरव और राजनीतिक लामबंदी दोनों को मजबूत करने की कोशिश की। सिख गुरुओं की पवित्र विरासत का उल्लेख करते हुए शाह ने कहा कि भाजपा ने पाकिस्तान और अफगानिस्तान में स्थित सिख तीर्थस्थलों की सुरक्षा के लिए लगातार कदम उठाए हैं। उन्होंने करतारपुर साहिब कॉरिडोर का जिक्र करते हुए कहा कि भाजपा के संकल्प के कारण ही श्रद्धालुओं के लिए यह तीर्थ यात्रा संभव हो सकी। उन्होंने यह भी कहा कि यदि स्वतंत्रता के समय भाजपा सत्ता में होती तो करतारपुर भारत का हिस्सा होता। शाह ने कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया कि पार्टी ने श्री अकाल तख्त पर हमले की साजिश रची और हिंदू-सिख समुदायों के बीच खाई पैदा की। उन्होंने राज्य में कथित धार्मिक संकट का जिक्र करते हुए कहा कि भाजपा सरकार बनने पर जबरन धर्मांतरण के खिलाफ कड़ा कानून लाया जाएगा।

महिला आयोग के सामने नहीं पहुंचे रैपर बादशाह, गिरफ्तारी के निर्देश

पानीपत (एजेंसी)। हरियाणा में टटीरी गीत के रैप वर्जन को लेकर शुरू हुआ विवाद अब और गहरा गया है। इस मामले में हरियाणा राज्य महिला आयोग ने सिंगर और रैपर बादशाह के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए उनकी गिरफ्तारी के निर्देश जारी कर दिए हैं। आयोग ने साथ ही पंचकूला और पानीपत के पुलिस अधीक्षकों (एसपी) को बादशाह का पासपोर्ट जब्त करने के निर्देश भी दिए हैं, ताकि वह देश छोड़कर बाहर न जा सकें। यह कार्रवाई इसलिए की गई क्योंकि आयोग द्वारा जारी नोटिस के बावजूद बादशाह तय तारीख पर व्यक्तिगत रूप से पेश नहीं हुए। महिला आयोग ने टटीरी गीत के रैप वर्जन में इस्तेमाल किए गए आपत्तिजनक शब्दों और वीडियो में छात्राओं के चित्रण को लेकर 6 मार्च को नोटिस जारी किया था। नोटिस में बादशाह को 13 मार्च को आयोग के सामने पेश होकर अपना पक्ष रखने के लिए कहा गया था।

'अलोकतांत्रिक प्रक्रिया की लोकतंत्र में कोई जगह नहीं'

वांगचुक की हिरासत रद्द होने पर बोले थरूर

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार द्वारा सोनम वांगचुक की हिरासत को तत्काल प्रभाव से रद्द करने के फैसले पर राजनीतिक प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने सरकार के इस फैसले का स्वागत किया है और सुप्रीम कोर्ट से बिना मुकदमे के हिरासत की अधिकतम अवधि को लेकर मानदंड तय करने की अपील की है। सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में सोनम वांगचुक ने बिना मुकदमे के अनिश्चितकालीन हिरासत अवधि की आलोचना की और इसे औपनिवेशिक युग की अलोकतांत्रिक प्रथा बताया। थरूर ने एनएसए कानून की आलोचना की शशि थरूर ने सोशल मीडिया पर साझा पोस्ट में लिखा, 'मुझे खुशी है कि केंद्र सरकार ने सोनम वांगचुक की हिरासत रद्द कर दी है, लेकिन 169 दिन का समय बहुत लंबा लगता है। सर्वोच्च न्यायालय को बिना मुकदमे के अधिकतम हिरासत की अवधि के लिए सख्त मानदंड बनाने की जरूरत है। अनिश्चितकालीन हिरासत औपनिवेशिक काल से चली आ रही एक अलोकतांत्रिक प्रथा है। एक परिपक्व लोकतंत्र में इसकी कोई जगह नहीं।' गृह मंत्रालय की सोनम वांगचुक की हिरासत रद्द करने का फैसला किया गृह मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत मिली शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए सोनम वांगचुक की हिरासत को तत्काल प्रभाव से रद्द करने का फैसला किया है। गृह मंत्रालय ने कहा कि सरकार लद्दाख में शांति, स्थिरता और आपसी विश्वास का माहौल बनाने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि सभी हितधारकों के साथ रचनात्मक और सार्थक बातचीत की जा सके।

इन्ही हरकतों की वजह से कांग्रेस सत्ता से दूर है राहुल गांधी पर जमकर बरसे सीएम मोहन

भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बयान की कठोर शब्दों में निंदा की है। उन्होंने कहा है कि वैश्विक स्तर पर युद्ध के हालातों के बीच राहुल गांधी को सच्चाई समझनी चाहिए। राहुल गांधी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ हल्की भाषा का प्रयोग नहीं करना चाहिए। जनता सब समझ रही है। इन्हीं हरकतों की वजह से कांग्रेस सत्ता से लगातार दूर बनी हुई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ईरान-अमेरिका-इजराइल युद्ध से वैश्विक हालात गंभीर बने हुए हैं। हमारे एशिया के नजदीक घट रही घटनाओं के बीच दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश के सबसे बड़े पद पर आसीन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए राहुल गांधी जिस प्रकार से हल्की भाषा बोलते हैं, मैं उनकी निंदा करता हूं। जब पूरा विश्व इन हालातों से जूझ रहा है, उसके बीच भारत सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गैस सिलेंडर और तेल का बेहतर प्रबंधन कर रही है। भारत सरकार युद्ध की चुनौती के बीच तेल के जहाज निकालकर लाई है और सुव्यवस्था स्थापित की है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि कांग्रेस और कांग्रेस के नेता जिस प्रकार से षडयंत्र कर रहे हैं, उसे जनता जानती है। इसी कारण से ये लगातार सत्ता से दूर हैं।

दिल्ली आबकारी नीति केस में बरी होने के बाद केजरीवाल और सिसोदिया ने जमा किए 50 हजार रुपये के जमानत बांड

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली आबकारी नीति मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की जांच के बीच दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने अदालत में अपने जमानत बांड जमा कर दिए हैं। दोनों नेताओं ने अदालत में 50,000 रुपये के जमानत बांड जमा किए। दरअसल, किसी भी आपराधिक मामले में आरोपी के बरी या दोषमुक्त होने के बाद भी अदालत के आदेश के खिलाफ उच्च अदालत में अपील की संभावना बनी रहती है। ऐसे में कानून के तहत आरोपी से जमानत बांड जमा करवाया जाता है, ताकि अपील दायर होने की स्थिति में उसकी अदालत में उपस्थिति सुनिश्चित की जा सके। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने 27 फरवरी को दिल्ली आबकारी नीति से जुड़े मामले में बड़ा फैसला सुनाते हुए कुल 23 आरोपियों को बरी कर दिया था।

किसानों के मुद्दे पर लड़ती रहेगी कांग्रेस, यूएस ट्रेड डील का जिक्र कर राहुल ने सरकार को घेरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार की नीतियों को लेकर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी लगातार हमलावर हैं। उन्होंने एक बार फिर फेसबुक पोस्ट लिखकर किसानों से जुड़ा मुद्दा उठाया है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि उन्होंने सरकार से न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से जुड़ा सवाल पूछा, लेकिन सरकार ने जवाब देने से बचने का रास्ता चुना और संसद के पटल पर पुरानी नीतियों को दोहराया गया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी किसानों के हक में संसद से लेकर सड़क तक आवाज उठाते रहेगी। राहुल ने अपने फेसबुक पोस्ट में लिखा,लोकसभा में मैंने सरकार से सीधा सवाल पूछा 2021 में किसानों से किया गया सी2 .50: कानूनी एमएसपी का वादा अब तक लागू क्यों नहीं हुआ? सरकार ने जवाब देने से बचते हुए सिर्फ अपनी पुरानी एमएसपी नीति दोहरा दी। राहुल जिस सी2 प्लस 50 फीसदी फॉमूर्ले का जिक्र कर रहे हैं, इसे आम तौर पर स्वामीनाथन समिति के सुझावों की तरह भी देखा जाता है। इसके तहत सरकार को ये सुझाव दिया गया है कि खेती की कुल लागत (सी2) में 50 फीसदी मुनाफे को जोड़ने के बाद ही फसल के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) का निर्धारण किया जाना चाहिए। अपने पोस्ट के साथ कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने सरकार से संसद में मिले जवाब की प्रति भी साझा की है।

मोदी सरकार की तानाशाही का पदार्फाश होना चाहिए, सोनम वांगचुक की रिहाई पर अरविंद केजरीवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को कहा कि केंद्र द्वारा सोनम वांगचुक की हिरासत तत्काल प्रभाव से रद्द किए जाने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार एक बार फिर बेनकाब हो गई है। एक्स पर एक पोस्ट में केजरीवाल ने वांगचुक की हिरासत की आलोचना की और कहा कि इस तानाशाही का पदार्फाश होना चाहिए। केजरीवाल ने कहा कि मोदी सरकार एक बार फिर बेनकाब हो गई है। एक वैज्ञानिक और जलवायु कार्यकर्ता, जिन्होंने अपना जीवन राष्ट्र की सेवा में समर्पित कर दिया था, को बिना किसी सबूत के गिरफ्तार कर लिया गया। जेल में बिताए उनके महीने न केवल उनके लिए व्यक्तिगत क्षति थे, बल्कि देश के लिए भी क्षति थे। इस घोर तानाशाही का तुरंत पदार्फाश होना चाहिए और इसे रोकना चाहिए। केजरीवाल को दिल्ली की एक विशेष अदालत ने दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति मामले में 22 अन्य लोगों के साथ बरी कर दिया है। इस बीच, कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने वांगचुक की रिहाई के फैसले का स्वागत किया। थरूर ने सर्वोच्च न्यायालय से बिना मुकदमे के अधिकतम हिरासत अवधि के लिए सख्त मानदंड बनाने का आग्रह किया। एक पोस्ट में थरूर ने बिना मुकदमे के अनिश्चितकालीन हिरासत की आलोचना करते हुए इसे औपनिवेशिक काल की अलोकतांत्रिक प्रथा बताया, जिसका एक परिपक्व लोकतंत्र में कोई स्थान नहीं है। उन्होंने कहा कि मुझे खुशी है कि केंद्र ने सोनम वांगचुक की हिरासत रद्द कर दी है, लेकिन 169 दिन का समय बहुत लंबा लगता है। सर्वोच्च न्यायालय को बिना मुकदमे के अधिकतम हिरासत अवधि के लिए सख्त मानदंड विकसित करने की जरूरत है। अनिश्चितकालीन हिरासत औपनिवेशिक काल से चली आ रही एक अलोकतांत्रिक प्रथा है।

राज्य मंत्री ने स्वास्थ्य विभाग के कार्यों की समीक्षा बैठक कर दिए दिशा निर्देश

सिद्धार्थनगर : जिले के चिकित्सा शिक्षा, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा मातृ एवं शिशु कल्याण विभाग की समीक्षा बैठक राज्यमंत्री, संसदीय कार्य, चिकित्सा शिक्षा, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, उ0प्र0 मयंकेश्वर शरण सिंह की अध्यक्षता एवं विधायक इटवा/नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पाण्डेय, विधायक बांसी जय प्रताप सिंह, विधायक कपिलवस्तु श्यामधनी राही, विधायक शोहरतगढ़ विनय वर्मा, सदस्य विधान परिषद ध्रुव कुमार त्रिपाठी, जिलाध्यक्ष भाजपा दीपक मौर्या, जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन, मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुई।

सर्वप्रथम जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन द्वारा राज्यमंत्री, संसदीय कार्य, चिकित्सा शिक्षा, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, उत्तर प्रदेश मयंकेश्वर शरण सिंह को बुके देकर स्वागत किया गया। अन्य जनप्रतिनिधियों को भी बुके देकर स्वागत किया गया। चिकित्सा शिक्षा विभाग की समीक्षा के दौरान प्राचार्य डा राजेश मोहन ने जानकारी देते हुए बताया

कि माधव प्रसाद त्रिपाठी राजकीय मेडिकल कालेज की स्थापना वर्ष 2021 में हुई। इसमें 22 विभाग कार्यरत है। प्रतिदिन 2000 ओपीडी होता है। सभी दवायें उपलब्ध है। समय समय पर आवश्यकतानुसार दवायें क्रय की जाती है। मेडिकल कालेज में 100 छात्र का प्रवेश प्रतिवर्ष होता है। वर्तमान में 500 छात्र अध्ययनरत है। 509 बेड उपलब्ध है। मा0 राज्यमंत्री, संसदीय कार्य, चिकित्सा शिक्षा, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, उ0प्र0 मयंकेश्वर शरण सिंह जी द्वारा फैकेल्टी के बारे में जानकारी प्राप्त किया गया। प्राचार्य मेडिकल कालेज ने बताया कि प्रोफेसर की कमी है। जिसके लिए विज्ञापन निकाला जा रहा है। मंत्री ने कहा कि जनप्रतिनिधिगण से कर फैकेल्टी की कमी को पूरा करे। इस मेडिकल कालेज का नाम भाजपा के प्रथम प्रदेश अध्यक्ष स्व माधव प्रसाद त्रिपाठी के नाम पर रखा गया है। और अच्छा कार्य करके इसे आगे बढ़ायें। अग्रले 03 वर्ष की कार्ययोजना बनाकर कार्य करें। खाली पदों को भरने की प्रक्रिया पूर्ण करें। मंत्री जी ने जिलाधिकारी को निर्देश दिया कि फैकेल्टी के लिए प्रयास करें। इसके साथ ही सभी कर्मचारियों को समय से वेतन दिये जाने का निर्देश दिया। स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने मंत्री को जानकारी देते हुए बताया कि जनपद के सभी सीएचसी/पीएचसी पर दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता है किसी भी प्रकार की कमी नही है। जनपद में 1650 निक्षय मित्र है। टीबी के 5181 मरीज जनपद में है। मा0 मंत्री जी ने मा0 जनप्रतिनिधिगण/अधिकारियों से कहा कि ज्यादा से ज्यादा टी0बी0 मरीजों को गोद ले। मा0 मंत्री जी द्वारा समस्त एमओआईसी से सीएचसी/पीएचसी के बारे में जानकारी प्राप्त किया गया। विधायक कपिलवस्तु ने मंत्री से मांग किया कि पोस्टमार्टम सुबह 10 बजे से किया जाये। मंत्री जी द्वारा स्वीकृति प्रदान किया गया। राज्यमंत्री, संसदीय कार्य, चिकित्सा शिक्षा, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, उत्तर प्रदेश मयंकेश्वर शरण सिंह ने बैठक में आने के लिए जनप्रतिनिधिगण का आभार प्रकट किया। मंत्री जी ने कहा कि सभी डाक्टर से अपेक्षा है कि कोई भी मरीज बिना इलाज कराये न जाये। मरीजों को अनावश्यक रेफर न करें। अपनी जिम्मेदारी का पालन करें। जिलाधिकारी को निर्देश दिया कि समय-समय पर मेडिकल कालेज/अस्पताल का निरीक्षण करें। इस अवसर पर उपरोक्त के अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा रजत कुमार चौरसिया, प्राचार्य मेडिकल कालेज डा राजेश मोहन, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डा ए0के0झा, समस्त एमओआईसी व अन्य सम्बन्धित अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

पैमाइश कर राजस्व व पुलिस टीम ने सुलझाया तालाब का विवाद, मछली पालन का रास्ता साफ

सिद्धार्थनगरः जिले के शोहरतगढ़ तहसील में करीब एक वर्ष से विवाद के चलते बंद पड़े तालाब को आखिरकार प्रशासनिक हस्तक्षेप के बाद पैमाइश

कराकर उसका निस्तारित कर दिया गया है। इसके साथ ही तालाब के पट्टा धारक के लिए मछली पालन का रास्ता भी साफ हो गया है। मामला शोहरतगढ़ तहसील क्षेत्र के ग्राम पंचायत इटहिया और झूगहवा गांवों के बीच स्थित एक तालाब का है। जानकारी के मुताबिक इस तालाब का पट्टा रामकेश निषाद के नाम हुआ था, लेकिन दोनों गांवों के बीच सीमा विवाद के कारण पिछले लगभग एक वर्ष से इसमें मछली पालन का कार्य शुरू नहीं हो पा रहा था। इस संबंध में पट्टा धारक रामकेश निषाद ने तहसील प्रशासन को प्रार्थना पत्र देकर तालाब की पैमाइश कराने की मांग की थी। शिकायत के आधार पर तहसीलदार प्रकाश सिंह के निर्देशन में शनिवार को राजस्व टीम एवं पुलिस बल मौके पर पहुंचकर तालाब की पैमाइश कराई। पैमाइश के बाद मौके पर मौजूद लोगों को स्थिति स्पष्ट कर विवाद का समाधान कराया गया। पैमाइश के बाद विवाद समाप्त होने से अब तालाब में मछली पालन का कार्य शुरू होने की संभावना बढ़ गई है। इस दौरान कानूनगो रामजतन, बृजेश तिवारी, लेखपाल परमेंद्र कुमार, जगदीश चौरसिया, योगेश कुमार, उपनिरीक्षक शिव शंकर शर्मा सहित रामकेश पासवान और राजेश यादव आदि मौजूद रहे।

मिशन शक्ति पुलिस टीम द्वारा महिला सुरक्षा के प्रति महिलाओं और बालिकाओं को किया जागरूक

सिद्धार्थनगर जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक महाजन

द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओ की सुरक्षा में चलाए जा रहे अभियान के तहत प्रशांत कुमार प्रसाद अपर पुलिस अधीक्षक व मयंक द्विवेदी क्षेत्राधिकारी शोहरतगढ़ के कुशल पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक नवीन कुमार सिंह थाना शोहरतगढ के कुशल नेतृत्व में थाना क्षेत्र के कस्बा शोहरतगढ़ में मिशन शक्ति/साइबर जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया जहाँ महिला सशक्तिकरण, साइबर जागरूकता व नये कानून के बारे में बताया गया एवं सरकार द्वारा विभिन्न सरकारी योजनाओं जैसे कि प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना व बहू सम्मेलन अभियान मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना रानी लक्ष्मी बाई बाल एवं महिला सम्मान कोष नारी शक्ति वंदन अधिनियम मातृ शक्ति को सम्बल निराश्रित महिला पेंशन योजना मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना आदि अन्य योजनाओ से संबंधी जानकारी को बताया गया तथा महिला संबंधी अपराध पर अंकुश लगाने हेतु जारी हेल्प लाइन 1090 वुमेन पावर लाइन,181 महिला हेल्प लाइन,1076 मुख्यमंत्री हेल्प लाइन,112 पुलिस हेल्प लाइन,1098 चाईल्ड केयर लाइन,108एम्बुलेंस हेल्प लाइन, 101 अग्निशमन हेल्प लाइन,14567 एल्डर हेल्पलाइन, 1930 साइबर हेल्पलाइन नंबर नए कानून के बारे में जानकारी दी गई।

पुलिस ने महिला अपराध व उससे बचाव और साइबर अपराध सुरक्षा के बारे में किया जागरुक

सिद्धार्थनगर जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक महाजन द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओ की सुरक्षा में चलाए जा रहे अभियान के

तहत अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद के पर्यवेक्षण में क्षेत्राधिकारी डुमरियागंज बृजेश कुमार वर्मा तथा थानाध्यक्ष अमित कुमार थाना पथरा बाजार के कुशल नेतृत्व में थानाक्षेत्र के ग्राम दयालपुर मे मिशन शक्ति/साइबर जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया जहाँ महिला सशक्तिकरण, साइबर जागरूकता व नये कानून के बारे में बताया गया एवं सरकार द्वारा विभिन्न सरकारी योजनाओं जैसे कि प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना व बहू सम्मेलन अभियान मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना रानी लक्ष्मी बाई बाल एवं महिला सम्मान कोष नारी शक्ति वंदन अधिनियम मातृ शक्ति को सम्बल निराश्रित महिला पेंशन योजना मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना आदि अन्य योजनाओ से संबंधी जानकारी को बताया गया तथा महिला संबंधी अपराध पर अंकुश लगाने हेतु जारी हेल्प लाइन 1090 वुमेन पावर लाइन,181 महिला हेल्प लाइन,1076 मुख्यमंत्री हेल्प लाइन,112 पुलिस हेल्प लाइन,1098 चाईल्ड केयर लाइन, 108 एम्बुलेंस हेल्प लाइन, 101अग्निशमन हेल्प लाइन, 14567 एल्डर हेल्पलाइन, 1930 साइबर हेल्पलाइन नंबर नए कानून के बारे में जानकारी दी गई।

पुलिस भर्ती बोर्ड परीक्षा का जिलाधिकारी व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने क्या निरीक्षण

सिद्धार्थनगर जिले के जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन व वरिष्ठ पुलिस

अधीक्षक डा अभिषेक महाजन द्वारा उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा आयोजित उप निरीक्षक नागरिक पुलिस एंव समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती परीक्षा-2025 की प्रथम पाली की परीक्षा को निष्पक्ष व शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराये जाने हेतु परीक्षा सेंटर सिंहेश्वरी इण्टर कालेज नौगढ़, सिद्धार्थनगर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन द्वारा उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा आयोजित उप निरीक्षक नागरिक पुलिस एंव समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती परीक्षा-2025 की प्रथम पाली की परीक्षा को निष्पक्ष व शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराये जाने हेतु परीक्षा सेंटर सिंहेश्वरी इण्टर कालेज में ड्यूटी में लगे अधिकारी/कर्मचारीगण को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये।

भक्तों की राह हुई आसान; कूष्मांडा मंदिर के बाहर से हटा अतिक्रमण

कानपुर। कूष्मांडा देवी मंदिर की सीसी रोड से नगर पालिका ने पुलिस के साथ मिलकर अवैध कब्जे हटवाए। नोटिस के बाद भी अतिक्रमण न हटाने वाले 42 दुकानदारों के खिलाफ यह सख्त कार्रवाई की गई। कानपुर के घाटमपुर में कूष्मांडा देवी मंदिर आने-जाने वाले श्रद्धालुओं को होने वाली परेशानियों को देखते हुए पालिका द्वारा बनवाई गई सीसी रोड के दोनों ओर दुकानदारों द्वारा किए गए अवैध कब्जे हटवाए गए। पालिका द्वारा पहले दी गई नोटिसों के बावजूद कब्जे न हटाने पर कार्रवाई की गई। पालिका द्वारा जारी की गई नोटिसों के बेअसर होने पर शुक्रवार को ईओ महेंद्र कुमार ने पुलिस व पालिका कर्मियों के साथ कब्जे हटवाए जाने की कमान संभाली। इस दौरान कब्जेदारों ने कुछ विरोध करने की भी कोशिश की, लेकिन ईओ के तेवर देख वह हिम्मत नहीं जुटा पाए। दुकानदारों ने जल्द हटा लिए कब्जे इससे पहले दुकानों का सामान पालिका कर्मी ट्रैक्टर में लादना शुरू करते दुकानदार खुद फटाफट कब्जे हटाने लगे। कार्रवाई के डर से देखते ही देखते सारे अवैध कब्जे दुकानदारों ने हटा लिए। इस मौके पर सभासद गुड्डू पंडित के अलावा कस्बा चौकी प्रभारी शैलेन्द्र सिंह मय फोर्स के मौजूद रहे। 42 दुकानदारों को जारी किए गए थे नोटिस उल्लेखनीय हो कि कूष्मांडा देवी मंदिर पहुंचने में श्रद्धालुओं को होने वाली परेशानियों को देखते अधिशाषी अधिकारी ने ऐसे 42 दुकानदारों को सीसी रोड से दुकानें व अतिक्रमण हटाए जाने के लिए नोटिसें जारी की थीं। इसमें कुष्माण्डा देवी मंदिर परिसर के बाहर पार्किंग स्थल में ट्रक खड़ा करने वाले ट्रांसपोर्टर भी शामिल थे। नोटिस के बाद भी कब्जे न हटाने पर अभियान चलाया गया।

सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम के लिए चलेगा विशेष टीकाकरण अभियान

स्वास्थ्य विभाग की तरफ से सर्वाइकल कैंसर के रोकथाम के लिए विशेष टीकाकरण अभियान चलाया जाएगा। इसके लिए विभाग ने योजना तैयार कर ली है। इस तहत 14 वर्ष से अधिक आयु वर्ग की किशोरियों का टीकाकरण किया जाएगा। महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम के लिए स्वास्थ्य विभाग ने एचपीवी वैक्सीन लगाने के लिए विशेष अभियान चलाने का निर्णय लिया है। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग ने तैयारियां शुरू कर दी हैं और जल्द ही टीकाकरण अभियान चलाया जाएगा। सर्वाइकल कैंसर महिलाओं में होने वाले प्रमुख कैंसर में से एक है।

हरदोई-हमीरपुर सहित कई जिलों में परीक्षा शुरू, सघन तलाशी के बाद परीक्षार्थियों को मिली एंट्री

औरैया। हमीरपुर, औरैया, फरुर्खाबाद, हरदोई सहित अन्य जिलों में पुलिस भर्ती परीक्षा कड़ी सुरक्षा और सघन तलाशी के बीच शुरू हुई

है। हजारों अभ्यर्थियों ने दो पालियों में अपने भविष्य के लिए परीक्षा केंद्रों पर दस्तक दी। उत्तर प्रदेश में पुलिस एवं उपनिरीक्षक (दरोगा) भर्ती परीक्षा के पहले दिन शनिवार को कानपुर मंडल और आसपास के जनपदों में भारी सुरक्षा व्यवस्था और सतर्कता देखने को मिली। हमीरपुर, औरैया, फरुर्खाबाद और हरदोई के केंद्रों पर सुबह से ही परीक्षार्थियों का हुजूम उमड़ पड़ा। प्रशासन ने नकलविहीन परीक्षा संपन्न कराने के लिए केंद्रों के बाहर सघन तलाशी के बाद ही प्रवेश की अनुमति दी गई। हमीरपुरः चार केंद्रों पर 3360 परीक्षार्थी पंजीकृत हमीरपुर में दो पालियों में परीक्षा शुरू हुई। यहां राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, पीजी कॉलेज कुछेछा, श्री विद्या मंदिर और राजाराम इंटर कॉलेज झलोखर को केंद्र बनाया गया है। पहली पाली सुबह 10 से 12 और दूसरी दोपहर तीन से पांच बजे तक तय की गई। पहले दिन 1680 परीक्षार्थियों की व्यवस्था रही। कल, 15 मार्च को भी इतनी ही संख्या में अभ्यर्थी परीक्षा देंगे। औरैयाः आठ केंद्रों पर सुरक्षा का कड़ा पहरा औरैया जनपद के आठ परीक्षा केंद्रों पर सुबह साढ़े आठ बजे से ही प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो गई। कड़ी जांच के बाद अभ्यर्थियों को प्रवेश दिया जा रहा है। केंद्रों पर भारी पुलिस बल तैनात रहा और प्रशासनिक अधिकारी लगातार निरीक्षण करते रहे। कड़ी जांच के कारण केंद्रों के बाहर लंबी कतारें नजर आईं। फरुर्खाबादः 19 केंद्रों पर झांसी-हमीरपुर के युवाओं का जमावड़ा। फरुर्खाबाद में 19 केंद्रों पर पहली पाली में 5520 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। यहां झांसी, ललितपुर और हमीरपुर से बड़ी संख्या में युवा पहुंचे। क्रिश्चियन कॉलेज केंद्र के बाहर परीक्षार्थी आखिरी मिनट तक किताबों और नोट्स के साथ तैयारी करते नजर आए। रोडवेज और ट्रेनों में भारी भीड़ के बावजूद परीक्षार्थी समय से केंद्र पहुंचे। हरदोईः केवल पेन-पेंसिल को मिली अनुमति हरदोई के 10 केंद्रों पर दरोगा भर्ती परीक्षा आयोजित की जा रही है। गेट पर सघन तलाशी ली गई। अभ्यर्थियों को प्रवेश पत्र, पेन और पेंसिल के अलावा मोबाइल, घड़ी या कोई भी अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण अंदर ले जाने की सख्त मनाही रही। बता दें कि परीक्षार्थियों की भारी भीड़ को देखते हुए उत्तर रेलवे के मुरादाबाद मंडल ने लखनऊ और शाहजहांपुर के बीच दो-दो फेरों के लिए परीक्षा विशेष ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। चित्रकूटः सीसीटीवी की निगरानी में 2640 परीक्षार्थी दे रहे परीक्षा चित्रकूट के सात केंद्रों पर दरोगा भर्ती परीक्षा सीसीटीवी की निगरानी में सुचारू रूप से चल रही है। प्रत्येक पाली में 2640 अभ्यर्थी कड़े सुरक्षा घेरे के बीच परीक्षा दे रहे हैं। इससे पहले केंद्रों के गेट पर ही अभ्यर्थियों की सघन तलाशी ली गई। बायोमेट्रिक उपस्थिति और पहचान पत्र के मिलान के बाद ही प्रवेश की अनुमति दी गई।

कवच सिस्टम हेतु स्थापित किये गये टावर का दृश्य

गोरखपुरः भारतीय रेल पर ट्रेनों के सुरक्षित एवं संरक्षित संचलन हेतु कवच सिस्टम लगाने का कार्य प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा है। इसी क्रम में पूर्वोत्तर रेलवे पर भी रेल संरक्षा को और सुदृढ़ करने हेतु कवच सिस्टम लगाये जा रहे है। कवच सिस्टम एक बहुत कॉम्प्लेक्स टेक्नोलॉजी है, जिसमें ऑप्टिकल फाइबर केबल, टेलीकॉम टावर, स्टेशन डेटा सेंटर, ट्रैक साइड इक्विपमेंट और ऑनबोर्ड लोकोमोटिव सिस्टम समेत पाँच बड़े सबसिस्टम शामिल हैं। इसके दो प्रमुख घटक हैं; पहला घटक- ऑन बोर्ड इक्यूपमेंट, जिसे लोको कवच भी कहा जाता है। इसमें वाइटल कम्प्यूटर, ब्रेक इंटरफेस यूनिट, लोको पायलट मशीन इंटरफेस, आर.एफ.आई.डी. रीडर, पल्स जेनरेटर एवं रेडियो एंटीना लगाये जाते हैं। दूसरा घटक- ट्रैक साइड, जो कि स्टेशनरी कवच यूनिट है, इसमें स्टेशन मास्टर ऑपरेशन कम इंडीकेशन पैनल, कंक्रीट

स्लीपरों पर आर.एफ.आई.डी. टैग तथा 40 मीटर ऊँचे टॉवर एवं एंटीना लगाये जाने का कार्य किया जाता है। आर.एफ.आई.डी. टैग प्रत्येक 01 किमी. पर 01 सेट यानि कि 02 आर.एफ.आई.डी. टैग लगाये जाते हैं। स्टेशन यार्डों में हर सिगनल के लिये आर.एफ.आई.डी. टैग लगाया जाता है। स्वदेशी रूप से विकसित कवच स्वचालित ट्रेन सुरक्षा (ए.टी.पी.) प्रणाली को पूर्वोत्तर रेलवे के 1,441 रूट किमी. पर लगाने का कार्य रेल मंत्रालय द्वारा रु. 492.21 करोड़ की लागत से पहले ही स्वीकृत किया जा चुका है। कवच के इंस्टालेशन को प्राथमिकता प्रदान करते हुये इसे पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल पर लखनऊ जं.-मानक नगर, लखनऊ जं.-मल्हौर, बाराबंकी जं.-बुढ़वल जं., सीतापुर सिटी-बुढ़वल जं. एवं बुढ़वल जं.-गोरखपुर कैंट, वाराणसी मंडल पर गोरखपुर कैंट-गोल्डिनगंज, गोरखपुर कैंट-वाल्मीकिनगर रोड, भटनी जं.-वाराणसी जं., वाराणसी जं.-प्रयागराज जं. एवं औंड़िहार जं.-छपरा जं. तथा इज्जतनगर मंडल पर रावतपुर-फरूर्खाबाद जं., फरूर्खाबाद जं.-कासगंज जं. एवं कासगंज जं.-मथुरा जं. खंडों पर कवच का कार्य स्वीकृत किया जा चुका है। प्रथम चरण में पूर्वोत्तर रेलवे के 551 रूट किमी. प्रमुख रेलमार्गों पर कवच लगाने का कार्य किया जायेगा, जिसमें लखनऊ मंडल के सीतापुर सिटी-बुढ़वल जं., बुढ़वल जं.-गोरखपुर कैंट, मानक नगर-लखनऊ जं.-मल्हौर एवं बाराबंकी-बुढ़वल जं. तथा वाराणसी मंडल के गोरखपुर कैंट-गोल्डिनगंज खंड सम्मिलित हैं। इन खंडों पर 108 टावर लगाये जायेंगे, जिसका सर्वे का कार्य पूरा कर लिया गया है। वर्तमान में मुख्य मार्ग छपरा-बाराबंकी में टॉवर लगाने का कार्य प्रगति पर है, गोरखपुर-बस्ती खंड में 20 टावर स्थापित किये जा चुके हैं।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह में 331 जोड़ो की रीति रिवाज से हुआ विवाह

सिद्धार्थनगर जिले के बीएसए ग्राउंड में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अन्तर्गत मुख्य अतिथि सांसद डुमरियागंज जगदम्बिका पाल, विधायक कपिलवस्तु श्यामधनी राही, मा विधायक शोहरतगढ़ विनय वर्मा, जिलाध्यक्ष भाजपा दीपक मौर्या, पूर्व विधायक इटवा डा सतीश द्विवेदी, एवं जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक महाजन, मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह व अन्य जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में सामूहिक विवाह का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। मुख्य अतिथि सांसद डुमरियागंज जगदम्बिका पाल,

विधायक कपिलवस्तु श्यामधनी राही, विधायक शोहरतगढ़ विनय वर्मा, जिलाध्यक्ष भाजपा दीपक मौर्या एवं जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक महाजन द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर सामूहिक विवाह कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन द्वारा मुख्य अतिथि सांसद डुमरियागंज जगदम्बिका पाल, विधायक कपिलवस्तु श्यामधनी राही, विधायक शोहरतगढ़ विनय वर्मा, जिलाध्यक्ष भाजपा दीपक मौर्या को बुकें देकर स्वागत किया गया। जिला समाज कल्याण अधिकारी द्वारा अन्य जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों को बुकें देकर स्वागत किया गया। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय के बगल खाली प्रागंण मे मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अन्तर्गत कुल 331 जोड़ो का सामूहिक विवाह कार्यक्रम में उपस्थित हुये। हिन्दू समुदाय के 238 जोड़ों, बौद्ध धर्म के 74 तथा मुस्लिम समुदाय के 19 जोड़ो का विवाह सम्पन्न हुआ। जिसमें हिन्दू, बौद्ध एवं मुस्लिम समुदाय के लोग सम्मिलित हुए। इस विवाह कार्यक्रम में हिन्दू परिवार के लोगो को पंडित द्वारा विवाह सम्पन्न कराया गया तथा मुस्लिम समुदाय के जोड़ों का निकाह मौलाना द्वारा निकाह पढ़कर शादी/विवाह का कार्यक्रम सम्पन्न कराया गया तथा बौद्ध धर्म का उनके धमार्नुसार विवाह कराया गया। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना कार्यक्रम हेतु सभी पंक्तियों के लिए प्रभारी अधिकारी नियुक्ति किये गये थे। मुख्य अतिथि सांसद डुमरियागंज जगदम्बिका पाल ने सभी अधिकारियों एवं उपस्थित लोगो को सम्बोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देशन में एवं जिला प्रशासन के कुशल नेतृत्व में भव्य रूप से सामूहिक विवाह कार्यक्रम सम्पन्न हो रहा है। गरीब परिवारों के बेटियों को अपनी शादी धूमधान से होने की चिन्ता रहती है आज मुख्यमंत्री द्वारा उनकी चिन्ता को दूर करते हुये समान रूप से सामूहिक विवाह के माध्यम से भव्य रूप से करने का कार्य किया है। इस समारोह में जनप्रतिनिधिगण, जिला प्रशासन व वर वधू के माता पिता व परिवार के लोगों का आशीर्वाद प्राप्त हो रहा है। सभी नव दम्पति बेहतरीन तरीके से नई पारी की शुरूआत करें। सांसद ने शादी करने वाले सभी नवयुगल जोड़ों को जिला प्रशासन के माध्यम से नौकरी/प्लेसमेंट दिलाने की घोषणा किया गया।

सुरेश रैना ने सैमसन को इस स्थान पर उतरने की दी सलाह, बोले- सीएसके का बल्लेबाजी क्रम संतुलित होगा

नई दिल्ली। भारतीय टीम के पूर्व ऑलराउंडर सुरेश रैना का मानना है कि सीएसके लिए संजू सैमसन को ओपनिंग के बजाए तीसरे स्थान पर बल्लेबाजी के लिए उतरना चाहिए। भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाज और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के दिग्गज खिलाड़ी रहे सुरेश रैना ने कहा है कि संजू सैमसन को टीम के लिए तीन नंबर पर बल्लेबाजी करनी चाहिए। रैना का मानना है कि तीन नंबर पर खेलते हुए वह टीम के बल्लेबाजी क्रम को संतुलन देंगे। सीएसके ने राजस्थान रॉयल्स से सैमसन को ट्रेड किया था और वह इस सीजन सीएसके के लिए खेलेंगे। रैना बोले- गायकवाड़-म्हात्रे करें पारी की शुरूआत सुरेश रैना ने कहा कि सीएसके के लिए ऋतुराज गायकवाड़ और आयुष म्हात्रे को पारी की शुरूआत करनी चाहिए। सैमसन को बल्लेबाजी यूनिट को संभालने और शीर्ष क्रम को मजबूत करने के लिए नंबर 3 पर बल्लेबाजी के लिए आना चाहिए। रैना ने कहा, सैमसन इतने वर्षों तक राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रहे। मुझे लगता है कि सीएसके में उनका रोल साफ होगा। गायकवाड़ और म्हात्रे पारी की शुरूआत करें और संजू नंबर तीन पर खेलें तो अच्छा होगा, क्योंकि तब डेवाल्ड ब्रेविस नंबर चार पर आएंगे, शिवम दुबे नंबर पांच पर आएंगे और उसके बाद एमएस धोनी आएंगे।

मायावती ने कांशीराम को भारत रत्न से सम्मानित करने के कांग्रेस के प्रस्ताव पर उठाया सवाल

लखनऊ (संवाददाता)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने कांग्रेस के इस प्रस्ताव पर शनिवार को सवाल उठाया कि यदि वह केंद्र में सत्ता में आती है तो बसपा के संस्थापक कांशीराम को भारत रत्न से सम्मानित किया जाएगा। मायावती ने देश भर के पार्टी कार्यकर्ताओं से अन्य राजनीतिक दलों, विशेष रूप से कांग्रेस द्वारा बसपा को कमजोर करने के प्रयासों के प्रति सतर्क रहने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि केंद्र में कई वर्षों तक सत्ता में रहने के बावजूद कांग्रेस ने बी आर आंबेडकर को कभी उचित सम्मान नहीं दिया तो अब पार्टी कांशीराम को सम्मानित करने का प्रस्ताव कैसे रख सकती है। कांशीराम

की जयंती रविवार को मनाई जाएगी। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, कांग्रेस ने दलितों के मसीहा और संविधान के प्रमुख निमार्ता बाबासाहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर को कभी उचित सम्मान नहीं दिया, न ही उन्हें भारत रत्न की उपाधि से सम्मानित किया... तो अब वही पार्टी कांशीराम को कैसे सम्मानित कर सकती है? उनकी यह टिप्पणी लखनऊ में कांग्रेस द्वारा आयोजित संविधान सम्मेलन में पारित एक प्रस्ताव के एक दिन बाद आई है, जिसमें कहा गया कि सत्ता में आने पर पार्टी कांशीराम को भारत रत्न से सम्मानित करेगी। उन्होंने कहा, केंद्र में सत्ता में रहते हुए कांग्रेस पार्टी ने कांशीराम के निधन पर एक दिन का भी राष्ट्रीय शोक घोषित नहीं किया। इसी तरह, उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी की तत्कालीन सरकार ने भी राजकीय शोक की घोषणा नहीं की। उन्होंने कहा कि दलित समुदाय का प्रतिनिधित्व करने का दावा करने वाले कई संगठन और राजनीतिक दल, जो अक्सर बड़े राजनीतिक दलों के हाथों की कठपुतली बनकर काम करते हैं, बसपा को कमजोर करने की कोशिश करते हुए राजनीतिक लाभ के लिए कांशीराम के नाम का लगातार इस्तेमाल कर रहे हैं। मायावती ने कहा, अब ये सभी दल कांशीराम द्वारा बनाई गई पार्टी बसपा को आए दिन अलग-अलग हथकंडे इस्तेमाल करके कमजोर करने में लगे हैं।

स्कूल से घर लौट रही बीए छात्रा से मोबाइल छीना,सीसीटीवी में कैद हुई घटना

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ के कृष्णानगर इलाके में शुक्रवार दोपहर दिनदहाड़े बाइक सवार दो बदमाशों ने बीए सेकंड ईयर की छात्रा से मोबाइल छीन लिया। वारदात जनता डेयरी के सामने करीब दोपहर 1 बजे हुई। पूरी घटना पास लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। पुलिस सीसीटीवी की मदद से जांच कर रही है। मानस नगर कृष्णानगर निवासी पूजा (20) पुत्री सुनील कुमार केकेवी कॉलेज में बीए सेकंड ईयर की छात्रा है। शुक्रवार को वह कॉलेज से घर लौट रही थी। इसी दौरान जनता डेयरी के सामने बाइक सवार दो युवक आए और बात कर रही छात्रा के हाथ से मोबाइल छीनकर फरार हो गए। घटना के बाद आसपास के लोगों ने पीछा करने की कोशिश की लेकिन बदमाश तेज रफ्तार में भाग निकले। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने छात्रा की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। घटना को 24 घंटे से ज्यादा समय बीत चुका है, लेकिन आरोपी अभी तक पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं। घटना के बाद दो युवकों की तस्वीर सीसीटीवी में कैद हुई है। जिसमें बाइक सवार दो लड़के जाते दिखाई दे रहे हैं। छात्रा का दावा है इन्हीं लड़कों ने मोबाइल छीनने की घटना को अंजाम दिया है। पुलिस सीसीटीवी की मदद से आरोपियों की पहचान कर रही है।

विद्यालयों में नवआरंभ उत्स 25 को, मिलेगा बालवाटिका नामांकन अभियान को बढ़ावा

लखनऊ (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार प्रारंभिक शिक्षा को मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करने जा रही है। बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा 25 मार्च को प्रदेश के को-लोकेटेड आंगनबाड़ी केंद्रों और प्राथमिक विद्यालयों में ह्यनवआरंभ उत्सवह्व का आयोजन किया जाएगा। इस विशेष कार्यक्रम का उद्देश्य 3 से 6 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों का बालवाटिका में नामांकन बढ़ाना तथा अभिभावकों को प्रारंभिक शिक्षा के महत्व के प्रति जागरूक करना है। बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप प्रारंभिक शिक्षा को मजबूत करना सरकार की प्राथमिकता है। ह्यनवआरंभ उत्सवह्व के माध्यम से 3 से 4 वर्ष आयु वर्ग के अधिक से अधिक बच्चों को बालवाटिका से जोड़ा जाएगा, जिससे बच्चों की शिक्षा की मजबूत नींव तैयार हो सके। अभिभावकों से अपील की कि वे इस अभियान में सक्रिय रूप से भाग लें और अपने बच्चों का नामांकन बालवाटिका में कराएं ताकि बच्चों को प्रारंभिक स्तर से ही गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का वातावरण मिले। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के तहत वर्ष 2030 तक प्रारंभिक शिक्षा के सार्वभौमिकरण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। आंगनबाड़ी केंद्रों और प्राथमिक विद्यालयों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करते हुए बच्चों को प्रारंभिक शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। ह्यनवआरंभ उत्सवह्व के माध्यम से अभिभावकों को बालवाटिका की गतिविधियों, लर्निंग कॉर्नर, खेल सामग्री, अन्य सुविधाओं की जानकारी दी जाएगी, जिससे बच्चों की नियमित उपस्थिति और नामांकन में वृद्धि होगी।अपर मुख्य सचिव बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा पार्थ सारथी सेन शर्मा ने बताया कि विभाग द्वारा कार्यक्रम के लिए विस्तृत रूपरेखा तैयार की गई है। विद्यालयों में दीप प्रज्वलन, सरस्वती वंदना, बालवाटिका की अवधारणा पर प्रस्तुतीकरण, बच्चों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियां तथा प्रारंभिक शिक्षा के महत्व पर चर्चा जैसे कार्यक्रम होंगे। कक्षा-1 में प्रवेश के लिए पात्र बच्चों की सूची अभिभावकों को उपलब्ध कराई जाएगी, क्रियाशील बालवाटिका का प्रदर्शन किया जाएगा, जिससे अभिभावकों को विद्यालय के शैक्षिक वातावरण की जानकारी मिल सके। कार्यक्रम के आयोजन के लिए जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, खंड शिक्षा अधिकारी, डायट, नोडल शिक्षक और आंगनबाड़ी कार्यकताओं को जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। जिला स्तर से लेकर विद्यालय स्तर तक कार्यक्रम की निगरानी की जाएगी और इसकी सूचना प्रेरणा पोर्टल तथा विद्या समीक्षा केंद्र के माध्यम से राज्य स्तर पर उपलब्ध कराई जाएगी।महानिदेशक स्कूल शिक्षा मोनिका रानी ने बताया कि ह्यनवआरंभ उत्सवह्व के आयोजन के लिए राज्य सरकार द्वारा 1592.22 लाख रुपये का बजट स्वीकृत किया गया है। इसके तहत प्रत्येक विद्यालय को लगभग 3000 रुपये की दर से धनराशि उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे कार्यक्रम के आयोजन, बच्चों की गतिविधियों, बैनर-पोस्टर और अन्य व्यवस्थाएं की जा सकेंगी। प्रारंभिक शिक्षा मजबूत होने से ही बच्चों के भविष्य की सुदृढ़ नींव तैयार होती है। इसी उद्देश्य के साथ ह्यनवआरंभ उत्सवह्व का आयोजन किया जा रहा है, जो छोटे बच्चों के नामांकन बढ़ाने और गुणवत्तापूर्ण प्रारंभिक शिक्षा को प्रोत्साहित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

चारबाग डिपो ट्रैफिक शाखा के अब्दुल करीम अध्यक्ष, राजेश शुक्ला मंत्री बने

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश रोडवेज कर्मचारी संघ की शाखा चारबाग डिपो ट्रैफिक लखनऊ क्षेत्र का चुनाव शनिवार को सरोजनीनगर के नादरगंज स्थित अमौसी रोडवेज कार्यशाला में संपन्न हुआ। इस चुनाव में अब्दुल करीम को अध्यक्ष और राजेश कुमार शुक्ला को मंत्री चुना गया। चुनाव प्रक्रिया संरक्षक मोहम्मद नसीम की देखरेख में आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता अब्दुल करीम ने की। चुनाव अधिकारी तालिब हाशमी ने पूरी प्रक्रिया का संचालन किया। शाखा चारबाग डिपो ट्रैफिक के विभिन्न पदों पर पदाधिकारियों और सदस्यों को सर्वसम्मति से निर्वाचित घोषित किया गया। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों में अब्दुल करीम अध्यक्ष, राजेश कुमार शुक्ला मंत्री और अब्दुल कुद्दूस कार्यकारी अध्यक्ष चुने गए। राम चंदर को वरिष्ठ उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई, जबकि सुनील कुमार, सौरव कुमार और मनोज कश्यप उपाध्यक्ष बने। संयुक्त मंत्री पद पर रूसैद अब्बास, अनिल शर्मा, मनप्रीत सिंह और हर्ष कुमार को चुना गया। साहिबे आलम और ललित यादव उपमंत्री बनाए गए। अनुज कश्यप को संगठन मंत्री, जितेंद्र सिंह को कोषाध्यक्ष, अजय वर्मा को प्रचार मंत्री और श्रवण कुमार मिश्रा को सांस्कृतिक मंत्री का दायित्व सौंपा गया। क्षेत्रीय प्रतिनिधि के रूप में रंजीत कुमार सुमन, उमेश चंद यादव और अजीज अहमद नामित हुए, वहीं सुग्रीव वरिष्ठ सदस्य चुने गए। कार्यकारिणी सदस्यों में रामू, मनोज सिंह, मोहम्मद नसीम द्वितीय, सुरेश चंद यादव, संतोष कन्नौजिया, शिवजी पांडेय, संतोष कुमार, शैलेन्द्र कुमार, तारा चंद, तिवारी, महेश चंद, गणेश दत्त पांडेय, जितेंद्र कुमार और प्रदीप कुमार शामिल हैं।

राजधानी में आप का गैस के लिए प्रदर्शन, नेताओं को टांगकर ले गई पुलिस

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में आप कार्यकताओं ने गैस के लिए प्रदर्शन किया। वे स्वास्थ्य भवन चौराहे पर इकट्ठा हुए और सरकार के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। कार्यकताओं ने पोस्टर-बैनर ले रखे थे। एक कार्यकर्ता ने पूरे शरीर पर बैनर पहन रखा था, जिस पर लिखा था-नरेंदर भी गायब, सिलेंडर भी गायब। पुलिस सबको हिरासत में लेने लगी। पुलिस को करीब आते देख कई कार्यकर्ता सड़क पर लेट गए। उसके बावजूद पुलिस ने सबको टांगकर गाड़ी में बैठा दिया। इसके बाद इको गार्डन भेज दिया। इससे पहले जिला अध्यक्ष इरम को पुलिस ने सुबह 4 बजे से ही हाउस अरेस्ट कर लिया था। आप जिला अध्यक्ष इरम ने कहा एलपीजी गैस की बढ़ती कीमतों और किल्लत से पूरे प्रदेश में हाहाकार मचा हुआ है। आम जनता के चूल्हे से आंच खींच ली गई। इसके बाद दो वक्त की रोटी के लिए भी संघर्ष शुरू हो गया है। सरकार ने लोकतंत्र में जनता की आवाज उठाने से रोकने के लिए सुबह सुबह मेरे घर पर ही पुलिस भेज दी। ताकि हम लोग इस जनहित के मुद्दे पर विरोध प्रदर्शन न कर सकें। मैं डबल फेल सरकार के डबल खटारा इंजनों से कहना चाहती हूं कि हम आपकी पुलिस से डरकर जनता की आवाज उठाना बंद नहीं कर सकते। जिला महासचिव दिनेश प्रताप ने आरोप लगाया सीएम योगी की पुलिस ने उनके साथ बर्बरता की है। उनके कपड़े फट गए हैं। गरीबों की आवाज उठाने पर उन्हें हिरासत में लिया जा रहा है। कार्यकताओं के साथ ज्यादती की गई। हम अपने लिए प्रदर्शन नहीं कर रहे हैं। यह दुर्गाभ्यपूर्ण है। सरकार जरूरत को अफवाह बता रही है। सिलेंडर के दाम नहीं बढ़ने चाहिए। हमारे पास ज्ञापन भी था लेकिन पुलिस ने हमें हिरासत में लिया। जिला महासचिव ज्ञान सिंह कुशवाहा ने कहा इन्होंने पहले सिलेंडर की लत लगवाई, अब परेशान कर रहे हैं। जैसे जिओ का सिम चालू किया था, उसके बाद लत लगाकर उस पर पैसा बढ़ा दिया। इस समय सिलेंडर की कालाबाजारी चल रही है। सरकार कह रही है कि कहीं कमी नहीं है। यहां उनके ही सांसद-विधायक एजेंसी वालों से मिलकर गैस सिलेंडर की कालाबाजारी कर रहे हैं। 900 वाला सिलेंडर तीन से चार हजार रुपए में मिल रहा है।

शौहर के रखने से औरत के रोजे अदा न होंगे

लखनऊ (संवाददाता)। रमजान हेल्पलाइन देश में इस किस्म की पहली हेल्पलाइन है। इस्लामिक सेन्टर आफ इण्डिया के तहत दारूल निजामिया फरंगी महल में रोजेदारों की दीनी और शरअई रहनुमाई के लिए वर्ष 2001 में रमजान हेल्पलाइन कायम की गयी थी जिसकी मकबूलियत खुदा पाक के करम से आज भी बरकरार है। इस हेल्प लाइन से लोग फोन और म.उंपस के जरिए रोजा, नमाज, जकात ऐतिकाफ और दूसरे सवालात मुल्क और बाहर के मुल्कों से भी करते है। इन सवालात के जवाब मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली की अध्यक्षता में उलमा का एक पैनल देता है, लोग इन नम्बरों 9415023970, 9335929670, 9415102947, 7007705774, 9140427677 और म.उंपस रू ताउ ंदीमसचासपदम2005/ हउंपसण्बवउ और वेब साइट, ूण्पिंदहपउींसण्पद पर सवाल पूछ सकते है।

सवाल:1 हमारे घर में यह तरीका है कि सब भाई की तनख्वाह लाकर वालिदा को देते हैं जो घर का खर्च चलाती हैं, जब की जेवर और कुछ बचत की रकम हमारे पास होती है, तो क्या जकात मेरे जिम्मे फर्ज है या वालिदा के?

जवाब:1 अगर वह सोना और बचत की रकम इतनी हो कि अगर उसको बाँटा जाये तो सब भाई निसाब के मालिक हो सकते हैं तो जकात वाजिब है वरना नही।

सवाल:2 एक गरीब शख्स की बीवी शादी के मौके.पर दस तोला सोना जेवरात की शक्ल में लायी है तो क्या शौहर के लिए जरूरी है कि हर हाल में उसकी जकात अदा करे?

जवाब:2 यह औरत इन जेवरात की मालिक है इसी लिए इन जेवरात की जकात बीवी के जिम्मे है, गरीब शौहर के जिम्मे नही।

सवाल:3 अगर किसी औरत के रमजान के रोजे कजा हो जायें और उसका शौहर उसकी तरफ से रख ले तो क्या सही है?

जवाब:3 औरत ही रोजे रखे। शौहर के रखने से औरत के रोजे अदा न होगें।

सवाल:4 मस्जिद के इमाम ऐतिकाफ से हैं। उनके साथ तरावीह के इमाम जो ऐतिकाफ से नही हैं। क्या इस मस्जिद में इमाम साहब के साथ इफ्तार कर सकते है?

जवाब:4 अगर मस्जिद में दाखिल हाते वक्त तरावीह के इमाम ने नफली ऐतिकाफ की नियत कर ली है तो इमाम मस्जिद के साथ इफ्तार कर सकते हैं वरना नही।

सवाल:5 क्या ऐतिकाफ करने वाला अपनी जगह (जो मुकर्रर कर ली जाती है) से रात को दूसरी जगह जाकर सो सकता है?

जवाब:5 ऐतिकाफ करने वाला जिस मस्जिद में ऐतिकाफ कर रहा है उस मस्जिद में जिस जगह चाहे रक सकता है और सो सकता है।

अज्ञात वाहन ने पिकअप को मारी टक्कर,हेल्पर की मौत, ड्राइवर घायल

लखनऊ (संवाददाता)। गोसाईगंज थाना क्षेत्र में हुए एक सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल है। घायल का इलाज चल रहा है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, यह घटना शनिवार सुबह करीब 4 बजे शारदा नहर के पास लक्ष्मणपुर में हुई। उपनिरीक्षक राजीव पटेल को सूचना मिलने पर वह मौके पर पहुंचे। वहां उन्होंने देखा कि पिकअप की टक्कर किसी अज्ञात वाहन से हो गई थी। पिकअप में चालक अतुल (निवासी जगदीशपुर, अमेठी) और हेल्पर राजीव सिंह (निवासी जगदीशपुर, कमरौली, अमेठी) सवार थे। दोनों को गंभीर चोटें आईं, जिसके बाद उन्हें एंबुलेंस के माध्यम से सीएचसी गोसाईगंज पहुंचाया गया। चिकित्सकों ने हेल्पर राजीव सिंह को मौके पर ही मृत घोषित कर दिया। वहीं, गंभीर रूप से घायल चालक अतुल को आगे के इलाज के लिए ट्रॉमा सेंटर रेफर किया गया है। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमॉर्टम के लिए मोर्चरी भेज दिया है और मामले की जांच कर रही है।

ऑफिस में यौन उत्पीड़न की शिकायत, घर बैठे करें,शी-बॉक्स पोर्टल से मिलेगी सुरक्षा

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ समेत पूरे प्रदेश में यदि कोई महिला कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न का शिकार हो रही है तो सीधे इसकी शिकायत कर सकती है। अब शिकायत दर्ज करना बहुत आसान, सुरक्षित और पूरी तरह गोपनीय हो गया है। भारत सरकार का शी-बॉक्स (सेक्सुएल हरेस्मेंट बाक्स) पोर्टल महिलाओं के हितों को देखते हुए उन्हें सुरक्षा की गारंटी दे रहा। जहां वे बिना किसी डर के घर बैठे शिकायत दर्ज कर सकती हैं। यह पोर्टल महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा संचालित है और 2013 के पीओएसएच एक्ट (कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न रोकथाम अधिनियम) के तहत काम करता है। सरकारी, निजी, संगठित या असंगठित क्षेत्र की सभी महिलाएं (स्थायी, अस्थायी, कॉन्ट्रैक्ट, इंटर्न या विजिटर) इसका फायदा उठा सकती हैं। घर बैठे मोबाइल और कंप्यूटर से ऑनलाइन शिकायत दर्ज की जा सकती है। इसमें आपकी व्यक्तिगत जानकारी पूरी तरह गोपनीय और सुरक्षित रहेगी। हिंदी, अंग्रेजी समेत कई भाषाओं में यह उपलब्ध है। शिकायत सीधे संबंधित अधिकारी को जाती है। ऑफिस की आंतरिक समिति (बाईसी) या जिला स्तर की स्थानीय समिति (एलसी) इसकी जांच करती है। तेज, समयबद्ध और पारदर्शी कार्रवाई इसमें की जाएगी। शिकायत सब्मिट करने पर ट्रैकिंग नंबर मिलता है, जिससे स्टेटस आसानी से चेक किया जा सकता है। पहले आधिकारिक वेबसाइट ीजजचेरू्ध्ैीमइवग्ऽ.ूबक.हवअ.पद खोलें। इसके बाद होमपेज पर त्महपेजमत ल्वनत ब्वउचसंपदज बटन पर क्लिक करें। अपनी और कार्यस्थल से जुड़ी सारी जानकारी सही-सही भरें। इसमें ईमेल और मोबाइल नंबर जरूरी है। इसके बाद शिकायत सब्मिट करें। मिलने वाला ट्रैकिंग नंबर नोट कर लें और समय-समय पर स्टेटस चेक करते रहें। निदेशक महिला कल्याण वंदना वर्मा ने कहा कि शी बॉक्स पोर्टल कामकाजी महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। महिलाएं बिना किसी भय के अपनी आवाज उठा सकती हैं। शिकायत मिलने पर समय पर और पारदर्शी कार्रवाई सुनिश्चित की जाती है।

एलएसजी का इकाना स्टेडियम में लगेगा कैंप, टॉम मूडी और जस्टिन लैंगर पहुंचे लखनऊ

लखनऊ (संवाददाता)। आईपीएल की तैयारियों के लिए लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) खिलाड़ियों का लखनऊ आना शुरू हो गया है। 16 मार्च से इकाना स्टेडियम में टीम का कैंप लगने लगेगा। इसमें खिलाड़ी प्रैक्टिस करेंगे। एलएसजी के ग्लोबल डायरेक्टर और पूर्व ऑस्ट्रेलियाई हरफनमौला खिलाड़ी टॉम मूडी और हेड कोच जस्टिन लैंगर के अलावा टीम का कोचिंग स्टाफ शनिवार को आ गया है। 15 मार्च को टीम के कप्तान ऋषभ पंत समेत अधिकतर भारतीय खिलाड़ी लखनऊ में दोपहर के समय आ जाएंगे और 16 मार्च से एलएसजी का कैंप इकाना स्टेडियम में शुरू हो जाएगा। टीम के अहम खिलाड़ियों में शुमार ऑस्ट्रेलियाई कप्तान मिचेल मार्श, दक्षिण अफ्रीकी कप्तान एडन मार्करम और वेस्टइंडीज के धाकड़ बल्लेबाज निकोलस पूरन के 18 से 20 मार्च तक लखनऊ आने की संभावना है। लखनऊ सुपरजायंट्स (एलएसजी) की टीम अपने होम ग्राउंड यानी इकाना स्टेडियम में एक अप्रैल को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ अपने अभियान की शुरूआत करेगी। इसमें टीम को कुल चार मैच खेलने हैं, जिसमें दो मैच घर और दो मैच बाहर होंगे। टीम को अपना दूसरा मुकाबला सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ पांच अप्रैल को हैदराबाद में, तीसरा मुकाबला कोलकाता नाइटराइडर्स के खिलाफ कोलकाता में और चौथा मुकाबला गुजरात टाइटंस के खिलाफ लखनऊ में खेलना है। आईपीएल में सबसे महंगी टीम के रूप में शामिल होने वाली लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए अभी तक आईपीएल के चारों सत्र बेहद सामान्य रहा है। टीम ने अपने पहले दो सीजन (वर्ष 2022 व 2023) में प्लेऑफ में जगह बनाई। इसके बाद टीम के प्रदर्शन में गिरावट दर्ज की गई, जब टीम वर्ष 2024 और 2025 में सातवें पायदान पर फिसल गई। पिछले सत्र वर्ष 2025 आईपीएल से पहले टीम प्रबंधन ने आईपीएल इतिहास में सबसे बड़ी बोली (27 करोड़) लगाकर विकेटकीपर बल्लेबाज को शामिल किया, लेकिन यह फैसला भी टीम को प्लेऑफ के करीब नहीं पहुंचा सका। नए सत्र के लिए टीम ने ऑस्ट्रेलिया के विकेटकीपर बल्लेबाज जोश इंग्लिश के अलावा दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज एनरिच नॉर्टजे को शामिल है। ऐसे में नए सत्र में टीम से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद जगी है।

संक्षिप्त खबरें

लखनऊ विश्वविद्यालय में दलित छात्रों को टारगेट किया जाता है स्टूडेंट्स ने किया प्रदर्शन

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ विश्वविद्यालय पर बिरसा आंबेडकर फुले छात्र संगठन (बीएपीएसए) से जुड़े छात्रों ने बड़ा आरोप लगाया है। संगठन के स्टूडेंट्स ने हजरतगंज के परिवर्तन चौक पर शनिवार को प्रदर्शन किया। स्टूडेंट्स ने कहा कि हमारे लिए यूजीसी रेगुलेशन लागू किया जाए। जब तक यूजीसी लागू नहीं होता, तब तक प्रदर्शन समाप्त नहीं होगा। हम यहीं धरने पर बैठे रहेंगे। कुछ देर धरने पर बैठने के बाद छात्रों ने वहां से विधानसभा की तरफ कूच कर दिया। पुलिस ने उन्हें केडी सिंह बाबू स्टेडियम मेट्रो स्टेशन के नीचे बैरिकेडिंग कर रोक दिया। प्रदर्शन कर रहे मानव रावत ने कहा कि यह लड़ाई लंबी है। यह सिर्फ हमारी अधिकारों की नहीं भविष्य को बचाने की लड़ाई है। न्याय मिलने तक हम लोग पीछे हटने वाले नहीं है। मांग है कि यूजीसी गाइडलाइंस 2026 को तुरंत लागू किया जाए। नाट फाउण्ड सूटेब्ल (एनएफएस) का सहारा लेकर की जा रही नियुक्तियों की पहले जांच हो। उनका कहना है कि एनएफएस लगाने वाली समितियों की भूमिका की भी समीक्षा जरूरी है। लखनऊ विश्वविद्यालय के आकाश ने कहा कि उच्च शिक्षा संस्थानों में ओबीसी, एससी और एसटी वर्गों के साथ भेदभाव की शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं। छात्रों को उनके जाति के आधार पर कई तरीके की चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। सवर्ण जाति के शिक्षक सरनेम देखकर दलित छात्रों के इंटरनल में नंबर काट लेते हैं। अगर सवर्ण छात्रों के बीच दूसरे छात्रों का विवाद होता है तो शिक्षक सवर्ण छात्र का साथ देते हैं। ऐसे तमाम भेदभाव को खत्म करने के लिए यूजीसी बेहद जरूरी है।

कांशीराम कॉलोनी में भीषण आग,काले धुएं का गुबार उठा, घर के सामान जले

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी के पारा थाना क्षेत्र स्थित सदरौना कांशीराम कॉलोनी के एक मकान में शॉर्ट सर्किट से भीषण आग लग गई। घर के अंदर का सामान जलने लगा। इससे काले धुएं का गुबार उठने लगा। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की दो गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। काशीराम कॉलोनी के ब्लॉक संख्या 38/1 में ऑटो चालक इरशाद अपने परिवार के साथ रहते हैं। शनिवार सुबह उनके मकान में शॉर्ट सर्किट से आग लगी। गनीमत रही कि घटना के समय घर में कोई मौजूद नहीं था, जिससे जनहानि नहीं हुई। हालांकि, आग तेजी से पूरे मकान में फैल गई और घर का सामान जलने लगा। इरशाद के परिवार में उनके पिता, एक बेटा और एक बेटी शामिल हैं। उनकी पत्नी का कुछ समय पहले निधन हो चुका है। आग लगने के समय परिवार के सभी सदस्य घर से बाहर थे। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार, आग से लाखों रुपए का घरेलू सामान जलकर खाक हो गया है। हालांकि, नुकसान का सही आकलन अभी बाकी है। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर जमा हो गए और आग बुझाने में मदद करने लगे। सुरक्षा कारणों से क्षेत्र की बिजली आपूर्ति भी बंद कर दी गई। दमकल विभाग की टीम ने आग पर काबू पाया। इस घटना में अभी तक किसी जनहानि की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस और दमकल विभाग के अधिकारी स्थिति पर लगातार नजर रखे हुए हैं। प्रशासन ने स्थानीय लोगों से घटनास्थल पर भीड़ न लगाने की अपील की है, ताकि राहत कार्य में कोई बाधा न आए।

लखनऊ में सीनियर नेशनल आर्बिटर सेमिनार का शुभारंभ

लखनऊ (संवाददाता)। यूपी चेस स्पोर्ट्स एसोसिएशन एवं लखनऊ चेस एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में स्थानीय होटल अम्बर में 14 से 15 मार्च तक आयोजित दो दिवसीय सीनियर नेशनल आर्बिटर सेमिनार का शनिवार को विधिवत शुभारंभ हुआ। सेमिनार की शुरूआत सुबह 9.30 बजे निर्धारित समय पर हुई। इस आयोजन में देशभर से कुल 50 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें उत्तर प्रदेश के 43 प्रतिभागी शामिल हैं, जबकि मध्यप्रदेश, तेलंगाना, बिहार, उत्तराखंड, केरल और दिल्ली से भी प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। सेमिनार का औपचारिक उद्घाटन पवन बाथम द्वारा स्वप्निल बंसोद (फिडे लेक्चरर) को पुष्पगुच्छ भेंट कर किया गया। इस अवसर पर सेमिनार के समन्वयक आनंद सिंह ने सभी प्रतिभागियों एवं लेक्चरर का स्वागत करते हुए सेमिनार परीक्षा में सफलता की शुभकामनाएं दीं। दो दिवसीय इस सेमिनार में फिडे लेक्चरर द्वारा कुल चार सत्र आयोजित किए जाएंगे। पहले तीन सत्रों में प्रतिभागियों को आर्बिटर मैनुअल, शतरंज के नियमों तथा प्रतियोगिताओं के संचालन से संबंधित महत्वपूर्ण विषयों की विस्तृत जानकारी दी जाएगी, जबकि अंतिम सत्र में परीक्षा आयोजित की जाएगी। आयोजकों के अनुसार, परीक्षा के आधार पर वर्ल्ड चेस फेडरेशन (थ्प्क्म्) द्वारा योग्य प्रतिभागियों को नेशनल आर्बिटर का टाइटल प्रदान किया जाएगा। आयोजकों ने बताया कि इस सेमिनार से उत्तर प्रदेश में प्रशिक्षित आर्बिटरों की संख्या में वृद्धि होगी, जिससे विभिन्न जिलों में शतरंज प्रतियोगिताओं का सफल संचालन संभव हो सकेगा और प्रदेश में शतरंज के विकास को नई गति मिलेगी।

संकट की घड़ी में महिलाओं-बालिकाओं का सहारा बनी महिला हेल्पलाइन

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में महिला सुरक्षा और सशक्तीकरण को लेकर राज्य सरकार की पहल लगातार प्रभावी साबित हो रही है। इसी क्रम में संचालित 181 महिला हेल्पलाइन संकट की घड़ी में महिलाओं और बालिकाओं के लिए भरोसेमंद सहारा बनकर उभरी है। अधिकारियों के अनुसार, वर्ष 2017 से शुरू की गई यह टोल फ्री सेवा प्रदेश भर में चौबीसों घंटे सक्रिय है और अब तक इसके माध्यम से 8.42 लाख से अधिक महिलाओं को सहायता प्रदान की जा चुकी है। घरेलू हिंसा, पारिवारिक विवाद, उत्पीड़न या अन्य किसी आपात स्थिति में फंसी महिलाएं 181 नंबर पर कॉल कर तुरंत मदद और परामर्श प्राप्त कर रही हैं। इस हेल्पलाइन के माध्यम से महिलाओं को न केवल त्वरित सहायता मिल रही है, बल्कि उन्हें मानसिक संबल और आत्मविश्वास भी मिल रहा है। महिला हेल्पलाइन महिलाओं और बालिकाओं के लिए एक समर्पित सहायता तंत्र के रूप में कार्य कर रही है। इसके माध्यम से प्रदेश के किसी भी जिले या गांव से महिलाएं अपनी समस्या साझा कर सकती हैं। कॉल सेंटर में तैनात प्रशिक्षित परामर्शदाता महिलाओं की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हैं और उन्हें उचित मार्गदर्शन तथा आवश्यक सहायता उपलब्ध कराते हैं। इससे कठिन परिस्थितियों में घिरी महिलाओं को समाधान की दिशा में मदद मिलती है। महिला हेल्पलाइन 181 को इस प्रकार विकसित किया गया है कि यह 24 घंटे सक्रिय रहकर महिलाओं को तत्काल सहायता उपलब्ध करा सके। किसी भी समय आने वाली कॉल को प्राथमिकता के आधार पर लिया जाता है और समस्या के अनुरूप परामर्श या आवश्यक सहयोग प्रदान किया जाता है। इस व्यवस्था के चलते प्रदेश की महिलाएं अब बिना झिझक अपनी समस्या साझा कर पा रही हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यह हेल्पलाइन महिला सुरक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो रही है और इससे समाज में महिलाओं के प्रति सुरक्षा और भरोसे का वातावरण मजबूत हो रहा है।

सम्पादकीय

संकट में ऊर्जा

आज की दुनिया को अक्सर श्वैश्विक गांवश कहा जाता है। तकनीक, व्यापार और संचार के विस्तार ने देशों को इतना परस्पर जुड़ा हुआ बना दिया है कि विश्व के किसी भी हिस्से में घटित घटना का प्रभाव सीमाओं से परे जाकर अन्य देशों तक पहुंच जाता है। पश्चिम-एशिया में हाल ही में बढ़े सैन्य तनाव और युद्ध की स्थिति ने इस वास्तविकता को एक बार फिर स्पष्ट कर दिया है। अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई और उसके बाद उत्पन्न भू-राजनीतिक संकट ने केवल क्षेत्रीय सुरक्षा को ही नहीं, बल्कि वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति और आर्थिक स्थिरता को भी प्रभावित किया है। इसका असर भारत जैसे ऊर्जा-आयातक देशों पर विशेष रूप से दिखाई दे रहा है। पश्चिम एशिया विश्व की ऊर्जा राजनीति का केंद्र माना जाता है। तेल और गैस के विशाल भंडार के कारण यह क्षेत्र दशकों से वैश्विक अर्थव्यवस्था की ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति करता रहा है, लेकिन जब भी इस क्षेत्र में संघर्ष या अस्थिरता पैदा होती है, तो उसका सीधा असर वैश्विक ऊर्जा बाजार पर पड़ता है। वर्तमान संकट के कारण अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला में बाधा उत्पन्न हुई है, जिसका प्रभाव कई देशों के साथ-साथ भारत पर भी दिखाई देने लगा है। भारत में एलपीजी (लिक्वीफाइड पैट्रोलियम गैस) गैस-सिलेंडरों की आपूर्ति में देरी, बुकिंग की अवधि में वृद्धि और होटल-रेस्टोरेंट उद्योग में गैस की कमी जैसी समस्याएं इसी व्यापक संकट की ओर संकेत करती हैं। भारत की ऊर्जा संरचना को समझे बिना इस समस्या की गंभीरता को नहीं समझा जा सकता। भारत विश्व के सबसे बड़े ऊर्जा उपभोक्ताओं में से एक है, लेकिन उसकी घरेलू ऊर्जा उत्पादन क्षमता अभी भी सीमित है। एलपीजी की मांग का बड़ा हिस्सा आयात से पूरा किया जाता है और इन आयातों का अधिकांश भाग पश्चिम एशियाई देशों से आता है। ऐसी स्थिति में यदि उस क्षेत्र में युद्ध या परिवहन मार्गों में बाधा उत्पन्न होती है, तो उसका सीधा प्रभाव भारत की ऊर्जा आपूर्ति पर पड़ना स्वाभाविक है। भारत में रसोई गैस केवल एक घरेलू ईंधन नहीं रह गई है, बल्कि यह सामाजिक परिवर्तन का भी एक महत्वपूर्ण माध्यम बन चुकी है। पिछले दशक में विभिन्न सरकारी योजनाओं के माध्यम से करोड़ों परिवारों को श्एलपीजीश कनेक्शन उपलब्ध कराया गया है। इससे ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में पारंपरिक ईंधनों पर निर्भरता कम हुई है, लेकिन इस बढ़ती सहूलियत के साथ-साथ आयात पर बढ़ती निर्भरता भी एक चुनौती बनकर सामने आई है। यदि वैश्विक संकट के कारण गैस की आपूर्ति प्रभावित होती है, तो इसका असर केवल घरों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि छोटे व्यापार, होटल-रेस्टोरेंट उद्योग और खाद्य क्षेत्र पर भी पड़ता है। ऊर्जा संकट का आर्थिक प्रभाव भी कम गंभीर नहीं होता। ऊर्जा की कीमतों में वृद्धि का सीधा असर महंगाई पर पड़ता है। परिवहन, उद्योग और उत्पादन की लागत बढ़ जाती है, जिससे वस्तुओं और सेवाओं की कीमतें बढ़ती हैं। इसका सबसे अधिक प्रभाव आम नागरिकों पर पड़ता है। इसलिए ऊर्जा आपूर्ति में किसी भी प्रकार की अनिश्चितता किसी भी देश की आर्थिक स्थिरता के लिए चुनौती बन सकती है। ऐसी परिस्थितियों में भारत की विदेश नीति की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक राष्ट्र है और उसकी विदेश नीति परंपरागत रूप से संतुलन, संवाद और शांति के सिद्धांतों पर आधारित रही है। भारत के संबंध पश्चिम-एशिया के लगभग सभी प्रमुख देशों के साथ हैं - चाहे वह इजराइल हो, ईरान हो या अरब देश। इसलिए भारत के सामने चुनौती यह है कि वह अपनी कूटनीतिक संतुलन क्षमता को बनाए रखते हुए क्षेत्र में शांति और स्थिरता की दिशा में सकारात्मक भूमिका निभाए। भारत की विदेश नीति का मूल आधार हमेशा से यह रहा है कि वह किसी भी संघर्ष में पक्ष लेने के बजाय संवाद और कूटनीति के माध्यम से समाधान का समर्थन करे। आज भी यही दृष्टिकोण सबसे उपयुक्त प्रतीत होता है। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत युद्ध के बजाय बातचीत, संघर्ष-विराम और बहुपक्षीय सहयोग का समर्थन करता है। भारत की छवि एक जिम्मेदार और शांति-समर्थक राष्ट्र की रही है और इस संकट के समय भी उसे इसी दिशा में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। हालांकि केवल कूटनीति ही पर्याप्त नहीं है। ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करना भी उतना ही आवश्यक है। भारत को अपनी ऊर्जा नीति में दीर्घकालिक सुधार करने होंगे। इसके अंतर्गत ऊर्जा स्त्रोतों का विविधीकरण अत्यंत आवश्यक है, ताकि देश किसी एक क्षेत्र या देश पर अत्यधिक निर्भर न रहे। इसके साथ-साथ नवीकरणीय ऊजार्कृजैसे सौर और पवन ऊर्जा का विस्तार भी ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। इसके अलावा घरेलू गैस उत्पादन को बढ़ाने, ऊर्जा भंडारण क्षमता विकसित करने और वैकल्पिक ऊर्जा तकनीकों को प्रोत्साहित करने जैसे कदम भी भविष्य के लिए महत्वपूर्ण होंगे। यदि भारत इन क्षेत्रों में निवेश बढ़ाता है तो भविष्य में किसी भी वैश्विक संकट का प्रभाव काफी हद तक कम किया जा सकता है।

राष्ट्रों की ताकत या नैतिकता, जंग के दौर में मानवता का सवाल

कोविड से बची दुनिया मानो यह मान बैठी है कि युद्ध करना और बम गिराना ही किसी राष्ट्र की पहचान है। नहीं तो फेफड़ों को बचाती और वैक्सीन ढूंढती उन भयभीत धड़कनों के बारे में सोचिए, जिन्हें अगले पल का पता नहीं था, फिर भी सभी, इनको-उनको बचाने में लगे हुए थे, क्योंकि उन्हें पता था कि जितनी यह दुनिया इनकी है, उतनी उनकी भी है। लेकिन पता नहीं फिर से मानो इस पृथ्वी को नजर लग गई। अब बस अकड़ देखिए, उन मुल्कों की, जहां सिर्फ और सिर्फ तेल के कुएं हथियाने और बम गिराने की प्रतियोगिता चल रही है। नैतिकता का प्रश्न, उस शांति का भाव, किसी और ग्रह का मालूम हो रहा है। हम सब देख रहे हैं और यह भी मान रहे हैं कि दुनिया धीरे-धीरे तीसरे विश्वयुद्ध की ओर बढ़ रही है। ऐसे में, सबसे जरूरी सवाल यह होगा कि युद्ध से कैसे बचा जा सकता है और शांति के मूल्यों को दोहराने के लिए दुनिया को क्या करने की जरूरत है। कई संघर्ष चल रहे हैं, जैसे ड्रोन कंट्रोल्ड युद्ध या साइबर हमले, वगैरह। क्या पैसे और बम जैसी धमकियों के जरिये देशों पर दबाव डालना सही है? क्या सबसे ताकतवर देश के तौर पर आम लोगों को मारने वाले ड्रोन का इस्तेमाल कोलैटरल डैमेज के तौर पर करना या अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल करना नैतिक है? युद्ध को अपनी पहचान समझाने के लिए मूल्यों या नैतिकता की जरूरत नहीं होती। यह शांति के मूल्य ही हैं, जो युद्ध की दुनिया को चुनौती देते हैं। शांति सिर्फ एकजुटता और संवेदनशीलता से आती है। इसे वैश्विक स्तर पर बनाने और फैलाने के लिए लीडरशिप की हर तरह की सोच में नैतिकता की भावना की जरूरत होती है। परमाणु बम या दूसरे तरह के परमाणु परीक्षण का जलवायु परिवर्तन पर क्या असर होगा और इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा? इस्राइल और फलस्तीन में हजारों युवा, बच्चे, औरतें-मर्द मारे गए और रूस तथा यूक्रेन में भी यही नतीजे हुए। अब अमेरिका व ईरान

यह शांति के मूल्य ही हैं, जो युद्ध की दुनिया को चुनौती देते हैं। शांति सिर्फ एकजुटता और संवेदनशीलता से आती है। इसे वैश्विक स्तर पर बनाने और फैलाने के लिए लीडरशिप की हर तरह की सोच में नैतिकता की भावना की जरूरत होती है। परमाणु बम या दूसरे तरह के परमाणु परीक्षण का जलवायु परिवर्तन पर क्या असर होगा और इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा? इस्राइल और फलस्तीन में हजारों युवा, बच्चे, औरतें-मर्द मारे गए और रूस तथा यूक्रेन में भी यही नतीजे हुए। अब अमेरिका व ईरान के साथ-साथ पश्चिम एशिया में गोले बरसाता यह युद्ध क्या उन बच्चों से माफी मांग पाएगा, जो मारे गए। जो बच गए या बचेंगे उनकी मानसिक, शारीरिक और भावनात्मक दिक्कतों का क्या? आखिरकार, वे शांति के दूत कहां हैं? क्या महात्मा गांधी, विवेकानंद ने कभी सोचा होगा कि एक इन्सान का अहंकार या घमंड और जिद लाखों हजारों लोगों को मौत की तरफ खींच लेगा, खासकर युद्ध व अनगिनत मौतें मानो एक सामान्य बात बन जाएंगी? एक बार जब महात्मा गांधी से किसी पत्रकार ने यह पूछा कि अगर कोई हवाई जहाज से बम गिर जाए, तो वह क्या करेंगे? गांधी जी का जवाब था कि वह उस पायलट के बारे में सोचेंगे, जो बम गिराते वक्त कितना परेशान रहा होगा। अगर आज विवेकानंद होते, तो वह कह जाते कि विश्व के नागरिकों के हित में महान अमेरिका वह होगा, जो युद्ध नहीं, शांति का नेतृत्व करेगा, जो आने वाली नस्लों को जीवन की क्षणभंगुरता नहीं, बल्कि उसकी उपयोगिता और प्रयोजन का अर्थ समझाएगा और उन्हें भी अपने मैं से मुक्त होना सिखाएगा। आज अगर स्वामी विवेकानंद होते, तो वह बहुत चिंतित होते और फिर वह प्रश्न भी पूछते कि आखिर किसी राष्ट्र की अस्मिता क्या होती है? नेतृत्व शक्ति का केंद्र होता है या महान नैतिक मूल्यों का? किसी भी राष्ट्र के लिए राष्ट्रीय प्रतिष्ठा क्या है? ऐसी दुनिया में एक नागरिक का सम्मान क्या होता है, जहां इन्सानी रिश्ते व्यापारिक फायदों से ज्यादा प्रभावित होते हैं, जहां किसी देश की महानता को आसानी से तात्कालिक स्वार्थों से बदल दिया जाता है, जहां संस्थाएं कंकड़-पत्थरों को तो चमकाती हैं, लेकिन वे चुपचाप हीरों की चमक फीकी कर देती हैं, जहां देशों के रिश्ते रोज नए दुश्मनों के नाम पर बदल रहे हैं... जहां व्यापार के नाम पर, तेल के भंडार के नाम पर, टैरिफ के नाम पर, और आगे ड्रोन, मिसाइलों, लड़ाकू विमानों के नाम पर, तानाशाही के नाम पर, आतंकवाद, डर और हिंसा के नाम पर; दो राष्ट्रों के रिश्ते परिभाषित हो रहे हैं। स्वामी विवेकानंद अमेरिका से, ईरान से, सभी से पूछते, और फिर पूरी दुनिया से पूछते। उन तमाम नेतृत्व से पूछते, जिन के लिए जनता एक ग्राहक है और देश बाजार। उस हर युवा से पूछते, जो देश और समाज से ज्यादा अपनी धुन में डूबा है? अपने ज्ञान और शख्सियत से जिस विवेकानंद ने अमेरिका को मनुष्यता, राष्ट्रवाद, अध्यात्म और जीवन का उद्देश्य सिखाया।

के साथ-साथ पश्चिम एशिया में गोले बरसाता यह युद्ध क्या उन बच्चों से माफी मांग पाएगा, जो मारे गए। जो बच गए या बचेंगे उनकी मानसिक, शारीरिक और भावनात्मक दिक्कतों का क्या? आखिरकार, वे शांति के दूत कहां हैं? क्या महात्मा गांधी, विवेकानंद ने कभी सोचा होगा कि एक इन्सान का अहंकार या घमंड और जिद लाखों हजारों लोगों को मौत की तरफ खींच लेगा, खासकर युद्ध व अनगिनत मौतें मानो एक सामान्य बात बन जाएंगी? एक बार जब महात्मा गांधी से किसी पत्रकार ने यह पूछा कि अगर कोई हवाई जहाज से बम गिर जाए, तो वह क्या करेंगे? गांधी जी का जवाब था कि वह उस पायलट के बारे में सोचेंगे, जो बम गिराते वक्त कितना परेशान रहा होगा। अगर आज विवेकानंद होते, तो वह कह जाते कि विश्व के नागरिकों के हित में महान अमेरिका वह होगा, जो युद्ध नहीं, शांति का नेतृत्व करेगा, जो आने वाली नस्लों को जीवन की क्षणभंगुरता नहीं, बल्कि उसकी उपयोगिता और प्रयोजन का अर्थ समझाएगा और उन्हें भी अपने मैं से मुक्त होना सिखाएगा। आज अगर स्वामी विवेकानंद होते, तो वह बहुत चिंतित होते और फिर वह प्रश्न भी पूछते कि आखिर किसी राष्ट्र की अस्मिता क्या होती है? नेतृत्व शक्ति का केंद्र होता है या महान नैतिक मूल्यों का? किसी भी राष्ट्र के लिए राष्ट्रीय प्रतिष्ठा क्या है? ऐसी दुनिया में एक नागरिक का सम्मान क्या होता है, जहां इन्सानी रिश्ते व्यापारिक फायदों से ज्यादा प्रभावित होते हैं, जहां किसी देश की महानता को आसानी से तात्कालिक स्वार्थों से बदल दिया जाता है, जहां संस्थाएं कंकड़-पत्थरों को तो चमकाती हैं, लेकिन वे चुपचाप हीरों की चमक फीकी कर देती हैं, जहां देशों के रिश्ते रोज नए दुश्मनों के नाम पर बदल रहे हैं... जहां व्यापार के नाम पर, तेल के भंडार के नाम पर, टैरिफ के नाम पर, और आगे ड्रोन, मिसाइलों, लड़ाकू विमानों के नाम पर, तानाशाही के नाम पर, आतंकवाद, डर और हिंसा के नाम पर; दो राष्ट्रों के रिश्ते परिभाषित हो रहे हैं। स्वामी विवेकानंद अमेरिका से, ईरान से, सभी से पूछते, और फिर पूरी दुनिया से पूछते। उन तमाम नेतृत्व से पूछते, जिन के लिए जनता एक ग्राहक है और देश बाजार। उस हर युवा से पूछते, जो देश और समाज से ज्यादा अपनी धुन में डूबा है? अपने ज्ञान और शख्सियत से जिस विवेकानंद ने अमेरिका को मनुष्यता, राष्ट्रवाद, अध्यात्म और जीवन का उद्देश्य सिखाया, उसके लिए अमेरिका और यहां तक कि दुनिया की लीडरशिप को भी स्वामी विवेकानंद को फिर से फॉलो करने में हिचकिचाना नहीं चाहिए। इसके लिए कोई टैरिफ नहीं लगेगा और इसमें कोई आर्थिक हित या व्यापार भी शामिल नहीं होगा। अंतरराष्ट्रीय संबंधों में नैतिकता काफी हद तक नेताओं की नैतिक सोच और मूल्यों पर भी निर्भर करती है। क्या संसार के नेतृत्वकर्ता, युद्ध से पहले और उसके दौरान इन्सानियत का भविष्य शांति के नजरिये से देखना चाहते हैं? क्या गांधी, लिंकन या विवेकानंद ने कभी सोचा होगा कि हिटलर के बाद फिर कोई घृणा की हवा ऐसी चलेगी, जो तमाम नेतृत्व के घमंड और जिद की खातिर लाखों लोगों को कब्र की ओर खींच सकती है। और फिर शांति के लिए यूएनओ की क्या भूमिका है? पिछले दशक से वह ज्यादातर समय चुप या निष्क्रिय क्यों रहना पसंद कर रहा है? क्या संसार के लीडर्स कंसोर्टियम ऑफ पीस नहीं बना सकते? आखिर दुनिया अगर बम से ही संचालित होनी है, तो फिर उन तेल के कुओं का क्या होगा? आखिर जीने के लिए तो हवा, पानी और मूल्यों से लैस दुनिया चाहिए। क्या शांति के मूल्य को लेकर चलने वाला अब कोई नेतृत्व नहीं आएगा क्या? क्या यह दुनिया सिर्फ बम और बाजार से ही संचालित होगी? हमें सोचना होगा कि इस पृथ्वी को कैसे बचाया जाए? एक तरफ एआई, दूसरी तरफ युद्ध में बरसते ड्रोन, आखिर मनुष्य जाए तो कहां जाए? गांधी जी तो दंगों के समय नोआखाली पहुंच गए थे। आखिर हम कहां पहुंचें। फिर से अहिंसा की आवाज उठेगी क्या? क्या कलिंग युद्ध से कोई महान अशोक बनकर लौटेगा।

अमेरिका-इजरायल के खतरनाक संपर्कों से भारत सावधान रहें

जगदीश रत्तनानी

दुनिया के कई हिस्सों में इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू एक बहुत ही तिरस्कृत व्यक्ति हैं जिनके खिलाफ युद्ध अपराध और मानवता के खिलाफ अपराधों के लिए संयुक्त राष्ट्र समर्थित अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय से गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया है। अक्टूबर, 2023 में इजराइल पर हमास के हमले के जवाब में युद्ध में उतरने के बाद से इजरायल ने गाजा में 72 हजार से अधिक लोगों को मार डाला है, जिनमें से करीब आधी महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग हैं। इजरायल ने पिछले 28 महीनों से औसतन हर 52 मिनट में एक बच्चे की जान ली है। विश्व स्तर पर मरने वालों की संख्या और 1.7 लाख से अधिक घायलों की संख्या को व्यापक रूप से स्वीकार किया गया है। इन हत्याओं के अपराधी इजरायल ने भी इस बात को मंजूर किया है। नेतन्याहू की पार्टी के नेता और पूर्व प्रधानमंत्री एहुद ओल्मर्ट के शब्दों में जानबूझकर, बुरे, दुर्भावनापूर्ण और गैर-जिम्मेदाराना तरीके से निर्देशित नागरिकों की अंधाधुंध, असीमित, क्रूर और आपराधिक हत्याश ने इजरायल को विश्व में एक अछूत राज्य में बदल दिया है। इसी तरह का खेल अब ईरान में खेला जा रहा है जिसने इजरायल-अमेरिकी संयुक्त युद्ध आक्रमण के साथ ईरान को हत्या के मैदान में बदल दिया गया है। इस युद्ध में ईरानी नेता अली खामेनेई को पहले ही मार डाला गया है। अब वहां और अधिक मौतें तथा विनाश हो रहा है। यह ध्यान देने वाली बात है कि युद्ध को अमेरिका में व्यापक समर्थन प्राप्त नहीं है और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को आने वाले समय में इसकी भारी राजनीतिक कीमत चुकानी होगी। लोगों का अनुमान है कि घरेलू स्तर पर भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना करने वाले युद्धोन्मादी नेतन्याहू को आखिरकार एक अहंकारी ट्रम्प की भूमिका निभाने का मौका मिला है जो (ट्रम्प) नव साम्राज्यवादियों की पकड़ और एपस्टीन फाइलों में फंसा है और जिसके बेनकाब होने की प्रतीक्षा की जा रही है। आखिर यह कैसे हुआ कि भारत अपने समृद्ध इतिहास के साथ स्वतंत्रता प्राप्त करने के बाद से अधिकांश भाग के लिए साम्राज्यवादी ताकतों के खिलाफ एक स्पष्ट रुख और दुनिया में शांति और स्थिरता के लिए प्रतिबद्धता के साथ संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के लिए सम्मान रखने वाला देश, साम्राज्यवाद के इस राक्षस के जाल में उलझ गया जो दुनिया भर में कहर फैला रहा है? इस बात पर विचार करें कि भारत और देश की रणनीतिक स्वायत्तता की स्थिति के लिए एक दुखद तस्वीर पेश करने के लिए घटनाएं कितनी जल्दी घटित हुईं हैं- कम अमेरिकी टैरिफ के बदले में भारत के लिए कई कठिन शर्तों वाले भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गलत समय पर इजरायल यात्रा और जिस ईरान के साथ भारत के असाधारण रूप से अच्छे संबंध रहे हैं उस ईरान पर इजरायल द्वारा हमला करने से ठीक दो दिन पहले नेसेट में मोदी का भाषणय नेतन्याहू ने ईरान पर हमले के बाद मोदी के साथ फोन पर बातचीत का हवाला देते हुए दावा कि भारत इजरायल के साथ खड़ा है, हालांकि भारत ने रिकॉर्ड पर ऐसा कोई बयान नहीं दिया (और वास्तव में श्शत्रुता को जल्द समाप्त करने की आवश्यकताश को दोहराया है)य युद्ध के कारण आपूर्ति में व्यवधान के मद्देनजर अमेरिका द्वारा भारत को एक महीने के लिए रूसी कच्चे तेल के आयात की अनुमति देने की छूट, अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट द्वारा भारत को श्गुड एक्टरश कह कर की गई टिप्पणी में निहित अच्छे आचरण का प्रमाणपत्र, नौसेना बेड़े की प्रेसिडेंशियल रिव्यू के लिए भारत का मेहमान और युद्ध मोड में न रहने वाले ईरानी नौसैनिक जहाज का हिंद महासागर में डूबना। इन सभी घटनाओं को व्यक्तिगत रूप से और निश्चित रूप से एक साथ लिया जाता है तो एक ऐसे भारत की तस्वीर पेश होती है जो असहाय है, जो दुनिया के गुंडों की गोद में बैठ गया है, जो एक गौरवशाली राष्ट्र के रूप में खड़े होने में असमर्थ या अनिच्छुक है तथा जिसकी अपनी स्वतंत्र सोच या आवाज नहीं है। हालांकि इजरायल में मोदी की उपस्थिति ने नेतन्याहू को मजबूती दी है लेकिन इसके बदले में भारत को रक्षा या व्यापार सौदों के अलावा कुछ नहीं मिला जिनका मूल्य संदिग्ध है। यह देखते हुए कि ये सौदे भारत को इजरायल के शिकंजे में और गहराई से धकेल देंगे जो आगामी सौदों और संबंधों में भारत की पसंद की स्वतंत्रता पर अंकुश लगा सकता है। नेतन्याहू-ट्रम्प धुरी लंबे समय तक नहीं चलेगी। एक ऐसे नेतृत्व के साथ जुड़कर- जिसकी पहचान अहंकार, आत्ममुग्धता तथा अत्याचार हैय भारत अपनी स्थिति को दीर्घकालिक नुकसान पहुंचाता है और यहां से विश्व राजनीति के अन्य खिलाड़ियों द्वारा सभी प्रकार के दबाव की रणनीति के लिए एक वैध लक्ष्य के रूप में देखा जाएगा। यह भी स्पष्ट है कि इस खेल में ये अल्पकालिक हित हैं और जिसे दोस्ती नहीं कहा जा सकता। अमेरिका के उप विदेश मंत्री क्रिस्टोफर लैंडौ की टिप्पणी पर विचार करें कि वह भारत को उन आर्थिक लाभों की अनुमति नहीं देगा जो उसने चीन को दिए हैं और इसलिए अपने लिए एक प्रतिद्वंद्वी का निर्माण करेंगे या इजराइल में एक टेलीविजन शो की क्लिप पर विचार करें जहां एक टिप्पणीकार दावा करता है कि युद्ध के बाद जब उनके पास कोई उत्पादन लाइन नहीं होगी।

इस्लामोफोबिया से निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय दिवस

कृअरुण कुमार डनायक

हर वर्ष 15 मार्च को इस्लामोफोबिया से निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय दिवस मनाया जाता है। यह तिथि 2019 में न्यूजीलैंड के क्राइस्ट चर्च की दो मस्जिदों पर हुए आतंकी हमलों में 51 मृतकों की स्मृति से जुड़ी है, जिसने धार्मिक घृणा के हिंसक परिणामों को वैश्विक स्तर पर उजागर किया। इसी पृष्ठभूमि में पाकिस्तान ने इस्लामिक देशों के संगठन के समर्थन से प्रस्ताव प्रस्तुत किया और उसे धार्मिक सहिष्णुता, भेदभाव-निरोध व मानवाधिकारों जैसी व्यापक कूटनीतिक शब्दावली में प्रस्तुत कर वैश्विक सहमति बनाई, जिसके परिणामस्वरूप वह संयुक्त राष्ट्र महासभा में आम सहमति से पारित हो सका। सर्वसम्मति बन जाने के कारण भारत ने प्रस्ताव का प्रत्यक्ष विरोध नहीं किया, पर श्व्याख्या-स्थितिश दर्ज कराते हुए बहुलवाद को केंद्र में रखने की आवश्यकता पर बल दिया और 16 नवंबर के अंतरराष्ट्रीय सहिष्णुता दिवस का उल्लेख करते हुए सभी प्रकार के धार्मिक पूर्वाग्रहों को समग्र रूप से संबोधित करने की बात कही। इसी क्रम में 2024 में प्रस्तुत एक अन्य प्रस्ताव से, जो मुसलमानों के खिलाफ भेदभाव, हिंसा, और कुरान की अवमानना की निंदा करता है, भारत ने मतदान प्रक्रिया से स्वयं को प्रथक कर लिया। पुर्तगाल सहित कुछ यूरोपीय देशों एवं भारत, का मत है कि यह प्रस्ताव एक धर्म विशेष पर केंद्रित है, जबकि सभी धर्मों के विरुद्ध असहिष्णुता को समान रूप से संबोधित किया जाना चाहिएय इसलिए वे इसे औपचारिक राष्ट्रीय स्तर पर नहीं अपनाते हैं और आयोजन प्रायरू नागरिक संगठनों या स्थानीय स्तर पर जागरूकता कार्यक्रमों तक सीमित रहते

हैं। संयुक्त राष्ट्र विशेषज्ञों ने हाल के वर्षों में इस्लामोफोबिया की बढ़ती घटनाओं को श्महामारी जैसी स्थितिश बताया है। यूरोप, अमेरिका और कनाडा में सर्वेक्षणों व आधिकारिक आंकड़ों से मुस्लिम विरोधी पूर्वाग्रह और घृणा अपराधों में वृद्धि के संकेत मिले हैं। भारत में, जहां मुसलमान सबसे बड़ा अल्पसंख्यक समुदाय हैं, कुछ स्वतंत्र अध्ययनों में यह चिंता व्यक्त की गई है कि ध्रुवीकरण और घृणा-भाषण सामाजिक तनाव को बढ़ा रहे हैं। इन रुझानों से स्पष्ट है कि यह समस्या केवल पूर्वाग्रह तक सीमित नहीं, बल्कि हिंसा, धार्मिक स्थलों पर हमलों और सामाजिक व आर्थिक बहिष्कार के रूप में भी प्रकट हो रही है। इस्लामोफोबिया की जड़ें यरूशलम के क्रूसेड्स, स्पेन के रिकॉनक्विस्टा तथा भारत में मंदिर-मस्जिद विवाद जैसे मध्ययुगीन धार्मिक संघर्षों, औपनिवेशिक मानसिकता और उस प्रवृत्ति में निहित हैं, जिसमें भिन्न धार्मिक या सांस्कृतिक समुदायों को पराया या खतरे के रूप में चित्रित किया गया। आलोचक कुरान की कुछ युद्ध-संदर्भित आयतों का हवाला देकर इसे गैर-मुस्लिमों के विरुद्ध हिंसा से जोड़ते हैं, किंतु इन आयतों का संदर्भ 7वीं शताब्दी के विशिष्ट संघर्षों और आत्मरक्षा की परिस्थितियों से जुड़ा है साथ ही कुरान न्याय, सहअस्तित्व और सीमा-नियंत्रण पर बल देता है। अतरू चयनित पंक्तियों के आधार पर समग्र धर्म को हिंसक सिद्ध करना न तो ऐतिहासिक रूप से उचित है और न ही बौद्धिक रूप से न्यायसंगत। दूसरी ओर, अल-कायदा, आईएस आईएस, तालिबान, हिजबुल्लाह और हमास जैसे इस्लामी उग्रवादी समूह हिंसा का सहारा लेते रहे हैं, यद्यपि वे मुख्यधारा इस्लाम का प्रतिनिधित्व नहीं करते। 9ध्11 जैसे हमलों के बाद मुसलमानों को आतंकवाद से जोड़ने की प्रवृत्ति वैश्विक स्तर पर बढ़ी, जिससे इस्लामोफोबिया को बल मिला। भारत में 1993 के मुंबई धमाके, 2001 का संसद हमला और कश्मीर की हिंसा, तथा हालिया इजरायल-हमासध हिजबुल्लाह संघर्ष जैसे घटनाक्रमों ने इस धारणा को और तीव्र किया। फिर भी, आतंकवाद के सबसे अधिक शिकार स्वयं मुसलमान भी रहे हैं, और अनेक मुस्लिम संगठनों व राष्ट्राध्यक्षों ने इसकी स्पष्ट निंदा की है। इस्लामोफोबिया का प्रसार केवल धार्मिक पूर्वाग्रह का परिणाम नहीं, बल्कि सामाजिक-आर्थिक और राजनीतिक कारकों से जुड़ा है। आर्थिक असुरक्षा, बेरोजगारी और संकट के दौर में अल्पसंख्यकों को दोषी ठहराने की प्रवृत्ति बढ़ती है, जिससे मुस्लिम समुदाय के प्रति नकारात्मकता गहराती है। राष्ट्रवादी राजनीति भी कई बार बहुसंख्यकवाद को बढ़ावा देकर उन्हें श्सांस्कृतिकश या श्सुरक्षाश खतरे के रूप में प्रस्तुत करती है। सोशल मीडिया की भ्रामक और मीडिया की सनसनीखेज प्रस्तुति इस धारणा को और मजबूत करती है। कुल मिलाकर, यह एक जटिल सामाजिक-राजनीतिक परिघटना है, जो आर्थिक असंतुलन, राजनीतिक विमर्श और सूचना-परिस्थिति से प्रभावित होती है। इस समस्या से निपटने के लिए शिक्षा, जागरूकता और नीतिगत सुधार आवश्यक हैं, ताकि पूर्वाग्रहों को चुनौती देकर समावेशी समाज को बढ़ावा मिल सके।

अनिद्रा की महामारी

भारतीय जन-जीवन में तेजी से घर करती डिजिटल जीवन शैली ने युवाओं की नींद को बुरी तरह प्रभावित किया है। जिसके चलते उनमें आक्रामकता, अवसाद व आत्महत्या की प्रवृत्ति विकसित हो रही है। देश-दुनिया में समय-समय पर आने वाले विभिन्न सर्वेक्षण इस संकट की ओर इशारा कर रहे हैं। लेकिन देश में किशोरों का स्क्रीन टाइम घातक ढंग से बढ़ रहा है। आमतौर पर चिकित्सा विशेषज्ञ मानते हैं कि किशोरों की सेहत के लिये आठ घंटे की नींद जरूरी होती है। हालांकि, कुछ विशेषज्ञ आठ घंटे के बजाय सात-छह घंटे की नींद को भी पर्याप्त मानते हैं, बशर्ते उसमें बीच में किसी तरह का व्यवधान न हो। लेकिन बिना किसी जरूरी काम के कथित सोशल मीडिया पर सक्रिय रहना आज के दौर में फैशन सा बन गया है। अमेरिका समेत कई पश्चिमी देशों में हुए हालिया शोध बताते हैं कि रात में जल्दी सोने व सुबह जल्दी उठने से बेहतर स्वास्थ्य बनता है। यह भारतीय जीवन दर्शन की अपरिहार्य धारणा भी रही है। लेकिन देश में पहले टीवी और अब मोबाइल फोन के अनियंत्रित उपयोग ने युवाओं की रात की नींद उड़ा दी है। जिसके चलते युवा पूरे दिन उखड़े-उखड़े और अशांत रहते हैं। उनमें आक्रामकता बढ़ रही है। फिर वे अवसाद के शिकार हो जाते हैं। बाधित नींद की इस स्थिति में कालांतर मन में आत्महत्या जैसे नकारात्मक भाव उमड़ने लगते हैं। एक सर्वे बताता है कि देश में 73 फीसदी दसवीं के छात्र आठ घंटे से कम की नींद सोते हैं। कलकत्ता स्लीप सोसाइटी के विशेषज्ञ बताते हैं कि दुनिया में 60 से 70 फीसदी किशोर पर्याप्त नींद नहीं ले पा रहे हैं। दरअसल, आज छात्रों पर अभिभावकों व शिक्षकों का अनुशासन कम ही चलता है। मां-बाप के टोकने पर वे दलील देते हैं कि ऑन लाइन पढ़ाई चल रही है। कोरोना संकट ने देश-दुनिया में ऑनलाइन पढ़ाई का विकल्प तो दिया, लेकिन तमाम तरह की विसंगतियां व विकृतियां भी किशोरों के जीवन में भर दी हैं। एक चौंकाने वाला आंकड़ा बताता है कि देश में सत्तर करोड़ भारतीय छह घंटे की नींद नहीं ले पाते। वहीं 46 प्रतिशत भारतीय छह घंटे से कम की नींद ले पाते हैं। लेकिन सबसे बड़ा संकट युवाओं व किशोरों से जुड़ा है। वे देर रात तक ऑनलाइन गेमों से जुड़े रहते हैं। रात में जाने-अनजाने दोस्त उनके सहभागी बनते हैं। जो कालांतर एक नशे की लत का रूप ले लेता है। परिजनों की रोक-टोक उन्हें रास नहीं आती। कई घटनाओं में उनके आक्रामक व्यवहार के घातक परिणाम सामने आए हैं। यहां तक कि नजदीकी परिजनों की हत्या की घटनाएं भी हुई हैं। दरअसल, ऑनलाइन खेलों को इस तरह डिजाइन किया गया है कि वे किशोरों के लिये नशा बन जाते हैं। रात का एकांत उन्हें रास आता है। जिसके चलते वे नींद की परवाह नहीं करते। वहीं दूसरी ओर सोशल मीडिया व ओटीटी प्लेटफॉर्मों पर तमाम वर्जित व अश्लील सामग्री की रात्रि में भरमार रहती है। जिसकी चपेट में छोटे-बड़े लोग आ रहे हैं। युवा देर रात का एकांत तलाशते हैं ताकि परिजनों की अनुपस्थिति में वे मनमानी कर सकें। वे देर रात तक ऑनलाइन रहने में अपनी शान समझते हैं। यह भूल जाते हैं कि वास्तव में, वे अपनी सेहत से किस हद तक खिलवाड़ कर रहे हैं। चिकित्सा विशेषज्ञ चेतावनी देते रहे हैं अनिद्रा से उच्च रक्तचाप की समस्या पैदा हो रही है। जो कालांतर हाइपरटेंशन में बदल जाती है। दरअसल, शरीर की जैविक घड़ी के परिचालन में व्यवधान से शरीर नकारात्मक प्रतिक्रिया देता है। देर रात जागने और मोबाइल के नशे में किशोर असमय खाते-पीते हैं, जिससे उनमें मोटापे की समस्या भी घर कर रही है। यही वजह है कि अब किशोरों तक में डाइबिटीज की समस्या देखने में आ रही है। दरअसल, कुदरती सोने के समय का विकल्प देर रात या सुबह की नींद नहीं हो सकती है। यह संकट बड़ा है और अभिभावकों व शिक्षकों को किशोरों की देर रात जागने की प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने के लिये गंभीर प्रयास करने होंगे। अन्यथा देश को कालांतर अस्वस्थ युवा पीढ़ी का संत्रास झेलने को बाध्य होना पड़ेगा।

वंशिका के साथ आज शादी के बंधन में बंधेंगे कुलदीप चहल सहित कई क्रिकेटर होंगे शामिल

मसूरी। भारतीय टीम के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव आज वंशिका के साथ शादी के बंधन में बंध जाएंगे। दोनों की शादी के लिए तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार स्पिनर कुलदीप यादव शनिवार की शाम शादी के बंधन में बंध जाएंगे। कुलदीप अपनी मंगेतर वंशिका चड्ढा के साथ शादी रचाने वाले हैं। शादी मसूरी में होगी। कुलदीप और वंशिका के परिवार विवाह स्थल पर पहुंच चुके हैं। इन दोनों के प्री वेडिंग कार्यक्रम भी शुरू हो चुके हैं। शुक्रवार को मेहंदी और संगीत सेरेमनी थी जिसमें कुलदीप जमकर थिरके थे। शादी के लिए तैयारियों जोर-शोर से जारी शादी समारोह के लिए होटल को फूलों, रोशनी और पारंपरिक सजावट से विशेष रूप से सजाया गया है। होटल प्रबंधन ने मेहमानों के स्वागत और आतिथ्य के लिए बड़े स्तर पर व्यवस्थाएं की हैं। मेहमानों के लिए पारंपरिक व्यंजनों के साथ-साथ उत्तराखंडी खाने का भी खास इंतजाम किया गया है। शादी में भारतीय क्रिकेट टीम के कई बड़े खिलाड़ियों के पहुंचने की उम्मीद है, इसलिए आयोजन स्थल की सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। होटल परिसर में केवल आमंत्रित मेहमानों को ही प्रवेश दिया जा रहा है।

हंसिका के तलाक पर मुस्कान ने किया तंज

बोलीं- 'किसी की झूठी दुनिया..'

हंसिका मोटवानी के भाई प्रशांत मोटवानी की पूर्व पत्नी मुस्कान ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा की है। इस पोस्ट के जरिए उन्होंने हंसिका पर निशाना साधा और फैंस से अपील की कि उन्हें किसी और के निजी जीवन से दूर रखा जाए। हंसिका मोटवानी और सोहेल कथूरिया का तीन साल की शादी के बाद तलाक हो गया है। इस मामले को कई सोशल मीडिया यूजर्स हंसिका के भाई प्रशांत और उनकी पूर्व पत्नी मुस्कान नैंसी जेम्स की शादी टूटने से जोड़ रहे थे। अब मुस्कान ने एक इंस्टाग्राम पोस्ट साझा कर खुद को इन सब से दूर रखने की बात कही। जानें उन्होंने क्या कहा? शुक्रवार को मुस्कान नैंसी जेम्स ने सोशल मीडिया पर अपनी ननद हंसिका पर निशाना साधते हुए एक स्टोरी शेयर की। पहले तो उन्होंने लोगों से अपील की उन्हें किसी और के निजी जीवन के ड्रामे में न घसीटा जाए। फिर आगे उन्होंने लिखा, 'किसी की सरासर झूठी दुनिया से मुझे न जोड़ें। इंतजार करें, हर सच का खुलासा हो जाएगा। सब समय का खेल है।' हंसिका ने किया था क्रिप्टिक पोस्ट हाल ही में हंसिका ने भी अपने तलाक के बाद एक इंस्टाग्राम स्टोरी शेयर की थी। उन्होंने लिखा, 'हमेशा चढ़दी कला'। इसका मतलब मुश्किल समय में भी हौसला, आशा और सकारात्मक रहना चाहिए होता है। अभी तक हंसिका और सोहेल ने अपने तलाक पर कोई बयान जारी नहीं किया है।

नए टैलेंट को मिलेगा बड़ा मंच! एकता कपूर ने लॉन्च की टैलेंट मैनेजमेंट कंपनी हुनर

भारतीय एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में नए कलाकारों को मौका देने के लिए मशहूर प्रोड्यूसर मजं झंचववत ने एक नया कदम उठाया है। उनकी कंपनी बालाजी टेलीफिल्म्स ने आधिकारिक तौर पर हुनर नाम की नई टैलेंट मैनेजमेंट कंपनी लॉन्च करने की घोषणा की है। यह पहल खास तौर पर उन कलाकारों और क्रिएटर्स के लिए तैयार की गई है जो एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाना चाहते हैं। हुनर का उद्देश्य टैलेंट को सही प्लेटफॉर्म देना और कहानी कहने व परफॉर्मेंस के कल्चर को मजबूत करना

है।हुनर के जरिए बॉलीवुड और भारतीय टेलीविजन के मशहूर एक्टर्स और क्रिएटर्स को एक साथ लाने की योजना है। यह प्लेटफॉर्म न सिर्फ कलाकारों की आर्टिस्टिक ग्रोथ पर काम करेगा, बल्कि उन्हें इंडस्ट्री में बेहतर अवसर दिलाने में भी मदद करेगा। बालाजी की लंबे समय से चली आ रही परंपरा को आगे बढ़ाते हुए, इस पहल का मकसद टैलेंट को सही गाइडेंस, मजबूत रिप्रेजेंटेशन और ऐसा क्रिएटिव माहौल देना है जहां कलाकार अपनी पूरी क्षमता के साथ काम कर सकें। अपने नए वेंचर के बारे में बात करते हुए एकता कपूर ने कहा कि टैलेंट तभी निखरता है जब उसे सही माहौल और प्रोत्साहन मिले। उनके मुताबिक, हुनर के जरिए हम एक ऐसा प्लेटफॉर्म बनाना चाहते हैं जहां कलाकारों को सिर्फ रिप्रेजेंट ही न किया जाए, बल्कि उन्हें समझा भी जाए। हमारा लक्ष्य उन्हें सही गाइडेंस देना, उनकी खूबियों के अनुसार मौके तलाशना और उनके लंबे समय के विकास में साथ देना है। उन्होंने आगे कहा कि यह एक ऐसा सफर बनाने की कोशिश है जिसमें कलाकार एक्सपेरिमेंट कर सकें और अपनी पूरी क्षमता तक पहुंच सकें। इस नए प्रोजेक्ट के जश्न के लिए मुंबई के प्रतिष्ठित होटल में एक खास हुनर लॉन्च पार्टी आयोजित की जाएगी। इस ग्लैमरस इवेंट में बॉलीवुड और टेलीविजन इंडस्ट्री के कई बड़े सितारे, क्रिएटर्स, इंडस्ट्री लीडर्स और मीडिया से जुड़े लोग शामिल होंगे। एकता कपूर लंबे समय से इंडस्ट्री में नए टैलेंट को लॉन्च करने और उन्हें स्टार बनाने के लिए जानी जाती हैं। टेलीविजन और फिल्मों में उन्होंने कई बड़े चेहरों को मौका दिया है। अब हुनर के जरिए उनका यही विजन और बड़ा होने जा रहा है। इस नई पहल के साथ बालाजी टेलीफिल्म्स एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में अपनी पकड़ को और मजबूत करने के साथ-साथ कलाकारों के लिए एक ऐसा मंच तैयार कर रहा है जहां वे सीख सकें, जुड़ सकें और अपनी पहचान बना सकें।

प्रसिद्ध धार्मिक स्थल कैंची धाम पहुंचे विशाल मिश्रा

नीम करौली बाबा के किए दर्शन

मशहूर गायक विशाल मिश्रा हाल ही में उत्तराखंड के नैनीताल जिले में स्थित प्रसिद्ध धार्मिक स्थल कैंची धाम पहुंचे। यहां उन्होंने महान संत नीम करौली बाबा के दर्शन किए और विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना की। आध्यात्मिक माहौल और शांत वातावरण के बीच विशाल मिश्रा ने मंदिर परिसर में ध्यान भी लगाया और कुछ समय एकांत में बिताया। कैंची धाम

पहुंचने के बाद विशाल मिश्रा ने अपने अनुभव शेयर करते हुए बताया-यहां तक आने में उन्हें कोई परेशानी नहीं हुई। उत्तराखंड सरकार और स्थानीय प्रशासन की ओर से श्रद्धालुओं के लिए काफी अच्छी व्यवस्थाएं की गई हैं, जिससे लोगों को सुविधा मिलती है। इस दौरान उन्होंने राज्य के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के किए जा रहे कामों की तारीफ की और बताया कि सरकार और प्रशासन मिलकर श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं। मंदिर में मौजूद पुलिसकर्मियों के व्यवहार को लेकर भी विशाल मिश्रा ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि यहां तैनात पुलिसकर्मी श्रद्धालुओं की मदद करने के लिए हमेशा तत्पर रहते हैं, जिससे लोगों को सुरक्षित और सहज माहौल मिलता है। पुलिसकर्मियों का उत्साह बढ़ाने के लिए विशाल मिश्रा ने मशहूर देशभक्ति गीत संदेशे आते हैं की कुछ पंक्तियां गाकर माहौल को और भी खास बना दिया। उनके इस अंदाज से वहां मौजूद लोग काफी खुश नजर आए। विशाल मिश्रा ने नैनीताल की खूबसूरत वादियों और कैंची धाम के आध्यात्मिक वातावरण की भी जमकर तारीफ की।

कुंभ मेले की वायरल गर्ल डवदंसपें अचानक पहुंची थाने

वजह जानकर हो जाएंगे हैरान

महाकुंभ मेले में अपनी नीली-भूरी आंखों की वजह से रातों-रात सोशल मीडिया सेंसेशन बनी मोनालिसा एक बार फिर सुर्खियों में हैं। लेकिन इस बार वजह उनकी लोकप्रियता नहीं, बल्कि उनका निजी जीवन और सुरक्षा है। हाल ही में मोनालिसा अचानक केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम के तम्पानूर पुलिस स्टेशन पहुंचीं और पुलिस से अपनी सुरक्षा की गुहार लगाई। इस दौरान उनके साथ उनके प्रेमी फरमान भी मौजूद थे। इस घटना के बाद सोशल मीडिया पर उनकी चर्चा फिर तेज हो गई है। प्रेमी के साथ पहुंचीं पुलिस स्टेशन बताया जा रहा है कि मोनालिसा और फरमान पिछले करीब डेढ़ साल से रिश्ते में हैं। दोनों की मुलाकात सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक के जरिए हुई थी और धीरे-धीरे उनकी दोस्ती प्यार में बदल गई। हालांकि, दोनों का रिश्ता अब विवादों में आ गया है। वजह है कि दोनों अलग-अलग धर्म से ताल्लुक रखते हैं। इसी कारण मोनालिसा के परिवार ने इस रिश्ते का कड़ा विरोध किया है। परिवार के विरोध से परेशान होकर उठाया कदम मोनालिसा का आरोप है कि उनके पिता जय सिंह भोसले इस रिश्ते के सख्त खिलाफ हैं। परिवार की ओर से उन पर लगातार इस संबंध को खत्म करने का दबाव बनाया जा रहा था। मोनालिसा ने यह भी कहा कि उन्हें धमकियां मिल रही थीं, जिसके चलते उन्हें घर छोड़ना पड़ा। अपनी सुरक्षा को लेकर डर महसूस होने पर उन्होंने पुलिस की मदद लेने का फैसला किया

और सीधे तम्पानूर पुलिस स्टेशन पहुंच गईं। पुलिस ने दस्तावेज जांचकर लिया फैसला जब पुलिस ने उनसे पूछा कि वे अपने राज्य से इतनी दूर केरल क्यों आए हैं, तो मोनालिसा और फरमान ने बताया कि यहां उन्हें लगा कि वे सामाजिक और पारिवारिक दबाव से दूर सुरक्षित रह पाएंगे। पुलिस ने दोनों से पूछताछ की और मोनालिसा के दस्तावेजों की जांच की। जांच में पुष्टि हुई कि वह बालिग हैं। इसके बाद पुलिस ने उनके पिता को भी थाने बुलाया और दोनों पक्षों की बात सुनी। कानून के अनुसार बालिग होने के कारण पुलिस ने मोनालिसा को अपनी इच्छा के अनुसार जीवन जीने की अनुमति दे दी और उन्हें फरमान के साथ जाने दिया। साथ ही स्थानीय प्रशासन को भी जानकारी दे दी गई ताकि इस जोड़े की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। महाकुंभ में वायरल वीडियो से बदली किस्मत मोनालिसा पहली बार तब चर्चा में आई थीं जब 2025 में प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ मेले के दौरान उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था। उस वीडियो में वह अपने परिवार के साथ रुद्राक्ष और माला बेचती हुई दिखाई दी थीं। उनकी अनोखी आंखों और सादगी ने लोगों का ध्यान खींच लिया और देखते ही देखते वह इंटरनेट पर वायरल हो गईं। फिल्म और मॉडलिंग के ऑफर भी मिलने लगे सोशल मीडिया पर लोकप्रियता मिलने के बाद मोनालिसा को कई इंटरव्यू, मॉडलिंग और ब्रांड प्रमोशन के ऑफर मिलने लगे। बाद में उन्हें हिंदी फिल्म द डायरी ऑफ मणिपुर में काम करने का मौका भी मिला। इस फिल्म का निर्देशन सनोज मिश्रा कर रहे हैं। मध्य प्रदेश के खरगोन जिले की रहने वाली मोनालिसा फिलहाल सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय हैं और मनोरंजन तथा मॉडलिंग से जुड़े कई प्रोजेक्ट्स पर काम कर रही हैं। हालांकि अब पारिवारिक विवाद और सुरक्षा का मुद्दा उनकी जिंदगी में नया मोड़ लेकर आया है, जिसकी वजह से वह एक बार फिर सुर्खियों में आ गई हैं।

राजकुमार राव-कीर्ति सुरेश की रफ्तार की रिलीज डेट तय

24 जुलाई 2026 को आएगी फिल्म

अमेजन एमजीएम स्टूडियोज ने आज घोषणा कर दी है कि उनकी फिल्म रफ्तार 24 जुलाई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। आदित्य निंबालकर के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म को कांपा फिल्म के बैनर तले पत्रलेखा ने प्रोड्यूस किया

है। फिल्म के एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर तरुण बाली हैं और इसकी कहानी व स्क्रीनप्ले रोहन नरूला ने लिखा है। फिल्म में राजकुमार राव और कीर्ति सुरेश लीड रोल्स में हैं, और उनके साथ अनुराग ठाकुर, रोहन वर्मा, तान्या मानिकतला और रजत कपूर जैसे टैलेंटेड एक्टर्स भी अहम किरदारों में नजर आएंगे। रफ्तार की कहानी एक ऐसी दुनिया पर आधारित है जहाँ बड़े सपने साम्राज्य खड़े करते हैं, और कामयाबी की एक भारी कीमत चुकानी पड़ती है। इसकी कहानी एक तेजी से आगे बढ़ते स्टार्टअप और एक जुनूनी आदमी व उतनी ही महत्वाकांक्षी महिला के बीच के उतार-चढ़ाव वाले रिश्ते के इर्द-गिर्द घूमती है। जैसे-जैसे पैसा, पावर और लालच बढ़ता है, उनकी जीतने की भूख प्यार के आड़े आने लगती है। कामयाबी का यह सफर जितना रोमांचक है, गिरने के बाद सवाल उतना ही सीधा है, क्या वे लड़कर फिर से टॉप पर पहुंच पाएंगे, या फिर यहीं सब खत्म हो जाएगा? ध्अमेजन एमजीएम स्टूडियोज की रफ्तार, 24 जुलाई 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

टाइगर श्रॉफ की बहन कृष्णा ने पलटा गेम, द 50 से बाहर हुआ ये प्रतियोगी; शो में जमकर हुआ हंगामा

इन दिनों रियलिटी शो द 50 में खूब हंगामा हो रहा है। हाल ही में टाइगर श्रॉफ की बहन कृष्णा ने पूरा गेम ही पलट कर रख दिया। जानिए, कृष्णा ने ऐसा क्या किया? शो द 50 का हाल ही में एक प्रोमो रिलीज हुआ। यह शो अपने फिनाले की तरफ बढ़ रहा है। अब प्रतियोगी शो में बने रहने के लिए कुछ भी करने को तैयार हैं। इस शो में बॉलीवुड एक्टर टाइगर श्रॉफ की बहन कृष्णा श्रॉफ भी बतौर प्रतियोगी नजर आ रही हैं। हालिया प्रोमा में वह एक प्रतियोगी और अपनी टीम मेंबर से लड़ती-झगड़ती दिखीं कृष्णा ने पूरा गेम ही बदल दिया कृष्णा श्रॉफ ने अपनी ही टीम मेंबर आरुषि को शो से बाहर करने के लिए हामी भरी। यह बात आरुषि को बुरी लगी, उसने कृष्णा से सवाल-जवाब किया। इस दौरान कृष्णा ने कहा कि उनकी प्रायोरिटी सिर्फ द 50 शो है, ना कि कोई प्रतियोगी। इस तरह से कहीं ना कहीं कृष्णा ने अपने ही टीम मेंबर को शो में बने रहने के लिए धोखा दिया। ये प्रतियोगी हुए शो से बाहर आरुषि को वोट आउट करने से पहले ही कई प्रतियोगी दो दिन पहले ही शो से बाहर हो चुके थे। इस लिस्ट में डांसर सपना चौधरी और इंफ्लुएंसर मनीषा रानी शामिल हैं। सपना चौधरी इस शो के कारण काफी चर्चा में आईं, उनके बाकी प्रतियोगियों से काफी झगड़े भी हुए। कौन बनेगा शो का विनर? द 50 शो में विनर बनने की दौड़ में शिव ठाकरे आगे दिख रहे हैं। इनके अलावा प्रिंस नरूला का नाम भी विनर के तौर पर सामने आ रहा है। दर्शक इन दोनों को काफी पसंद कर रहे हैं। द 50 शो की बात करें तो इसमें लगभग 50 प्रतियोगी शामिल हुए थे। जिसमें कुछ एक्टर, इंफ्लुएंसर, स्पोर्ट्स पर्सन थे। अब तक कई लोग शो से बाहर हो चुके हैं। यह रियलिटी शो जीयो हॉटस्टार पर और कलर्स चैनल पर टेलीकास्ट होता है।

दूसरे वनडे मैच के दौरान गंभीर रूप से घायल हुए पाकिस्तान के हुसैन तलत

ढाका। बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे वनडे मैच के दौरान पाकिस्तान के ऑलराउंडर हुसैन तलत गंभीर रूप से चोटिल हो गए। उनकी सेहत को लेकर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने बयान जारी किया है। पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच दूसरा वनडे मुकाबला शेर-ए-बांग्ला क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया। पाकिस्तान के ऑलराउंडर हुसैन तलत फील्डिंग करते हुए बुरी तरह चोटिल हो गए। हुसैन तलत को कंधे में चोट लगी, जिसके कारण उन्हें तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया। हुसैन तलत को यह चोट मैच की दूसरी पारी के छठे ओवर में लगी, जब लिटन दास ने मोहम्मद वसीम की गेंद पर ऑफ साइड की तरफ शॉट मारा और तलत गेंद को रोकने के लिए कवर बाउंड्री की तरफ दौड़े। स्ट्रेचर के द्वारा मैदान से ले जाया गया बाहर गेंद बाउंड्री के पास पहुंचने पर तलत ने गेंद को पीछे की तरफ फेंकने का प्रयास किया, लेकिन गेंद को छूते ही उनका पैर बाउंड्री पर लगे फोम पर पड़ गया। इसके बाद वह लड़खड़ाते हुए विज्ञापन वाले होर्डिंग्स से जा टकराए और अपने बाएं कंधे के बल जमीन पर गिर पड़े। वहां मौजूद मैदानकर्मी तुरंत तलत की तरफ दौड़े, जिसके बाद उन्हें पास खड़ी एम्बुलेंस तक ले जाने के लिए एक स्ट्रेचर लाया गया। पीसीबी ने चोट पर दिया अपडेट पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने हुसैन तलत की चोट को लेकर एक बयान जारी किया है। उन्होंने बताया, हुसैन तलत को मैदान पर ही टीम के मेडिकल स्टाफ से तुरंत सहायता मिली। शुरूआती आकलन के बाद, उन्हें विस्तृत जांच के लिए अस्पताल ले जाया गया है।

ट्रंप का दावा- ईरान के सभी सैन्य ठिकाने तबाह

होर्मुज को लेकर भी दी चेतावनी

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि अमेरिकी सेना ने ईरान के खार्ग द्वीप पर बड़े पैमाने पर बमबारी कर सभी सैन्य ठिकानों को नष्ट कर दिया। ट्रंप के अनुसार हमले में तेल ढांचे को जानबूझकर निशाना नहीं बनाया गया। साथ ही उन्होंने होर्मुज पर भी चेतावनी दी। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका ने ईरान के एक अहम ठिकाने पर बड़ा हवाई हमला किया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि अमेरिकी सेंट्रल कमांड की ओर से किया गया और इसका उद्देश्य ईरान से पैदा हो रहे खतरे को खत्म करना था। राष्ट्रपति ट्रंप ने सोशल मीडिया पर कहा कि यह हमला मध्य पूर्व के इतिहास के सबसे शक्तिशाली बमबारी अभियानों में से एक था। उन्होंने कहा कि अमेरिकी सेना ने खार्ग द्वीप पर मौजूद सभी सैन्य लक्ष्यों को निशाना बनाया और उन्हें पूरी तरह नष्ट कर दिया। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका ने जानबूझकर द्वीप के तेल ढांचे को निशाना नहीं बनाया, ताकि ऊर्जा आपूर्ति पर असर न पड़े। खार्ग द्वीप क्यों है इतना अहम? खार्ग द्वीप ईरान के लिए रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। यह फारस की खाड़ी में स्थित एक बड़ा तेल निर्यात केंद्र है। यहां से ईरान का बड़ा हिस्सा तेल दुनिया के अलग-अलग देशों को भेजा जाता है। यही कारण है कि इस द्वीप को ईरान की ऊर्जा व्यवस्था का प्रमुख केंद्र माना जाता है। ट्रंप ने तेल ढांचे को क्यों नहीं निशाना बनाया? राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी सेना के पास इतनी ताकत है कि वह द्वीप के पूरे तेल ढांचे को भी नष्ट कर सकती थी। लेकिन उन्होंने ऐसा न करने का फैसला लिया। ट्रंप के अनुसार यह फैसला वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति को प्रभावित होने से बचाने और मानवीय कारणों को ध्यान में रखते हुए लिया गया। होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर ट्रंप ने क्या चेतावनी दी? ट्रंप ने साफ कहा कि यदि ईरान या कोई अन्य देश होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों की सुरक्षित आवाजाही में बाधा डालता है तो अमेरिका अपना फैसला बदल सकता है। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में अमेरिका द्वीप के तेल ढांचे को भी निशाना बनाने पर विचार करेगा। अमेरिकी सेना की ताकत पर क्या बोले ट्रंप? राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि उनके पहले कार्यकाल से लेकर अब तक उन्होंने अमेरिकी सेना को दुनिया की सबसे शक्तिशाली और घातक सैन्य ताकत बना दिया है। उनका कहना है कि ईरान के पास अमेरिका के हमलों का सामना करने की क्षमता नहीं है। ईरान को क्या संदेश दिया गया? ट्रंप ने कहा कि ईरान कभी भी परमाणु हथियार हासिल नहीं कर सकेगा। उन्होंने ईरानी सेना और उससे जुड़े समूहों से हथियार डालने की अपील भी की।

ट्रंप समर्थक लॉरा लूमर ने मांगी माफी, भारत विरोधी टिप्पणियों पर रखी अपनी बात

नईदिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका की राजनीतिक कार्यकर्ता और कट्टर ट्रंप समर्थक लॉरा लूमर ने पूर्व में भारत और

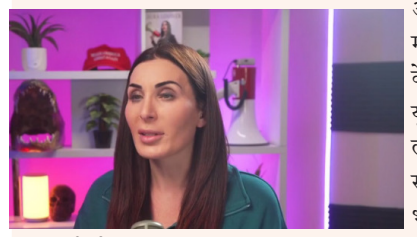

भारतीयों के लिए की गई अपनी टिप्पणियों के लिए माफी मांगी है। लॉरा ने कहा कि उनके दिल में भारत के लिए नफरत नहीं है और उन्होंने जो भी कहा, वह अपने देश और देशवासियों के प्रति प्यार के चलते कहा। अमेरिका की राजनीतिक कार्यकर्ता और राष्ट्रपति ट्रंप की कट्टर समर्थक लॉरा लूमर ने अपनी भारत विरोधी टिप्पणियों के लिए माफी मांगी है। लॉरा लूमर ने सोशल मीडिया पर कई भारत विरोधी बातें लिखीं थी, जिनमें से कुछ नस्लभेदी और बेहद आपत्तिजनक थीं। अब लॉरा लूमर ने अपने उन बयानों के लिए माफी मांगी है। लॉरा लूमर के भारत दौरे को लेकर कई यूजर्स ने जताई थी नाराजगी लॉरा लूमर ने अपने कई सोशल मीडिया पोस्ट में भारत और भारतीयों के खिलाफ टिप्पणी की। साथ ही अमेरिका में रहने वाले भारतीयों के खिलाफ भी बातें लिखीं। जब लॉरा लूमर ने एक कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए भारत आने की घोषणा की तो कई सोशल मीडिया यूजर्स ने इस पर नाराजगी जाहिर की और लॉरा लूमर की पिछली पोस्ट्स को लेकर कड़ी आपत्ति जताई। इंडिया टुडे के कार्यक्रम में जब लॉरा लूमर से उनकी टिप्पणियों को लेकर सवाल किया गया और उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें अपनी टिप्पणियों पर पछतावा है तो इसके जवाब में लूमर ने कहा कि उनकी कई टिप्पणियां गलत थीं और उन्हें ऐसा नहीं कहना चाहिए था। हालांकि एच1बी वीजा को लेकर की गई टिप्पणी के लिए लॉरा लूमर ने माफी मांगने से इनकार कर दिया। 'एच1बी वीजा का विरोध करती रहूंगी' लॉरा ने कहा, 'मैं एच1बी वीजा के विरोध के लिए माफी नहीं मांगूंगी क्योंकि अमेरिका के हितों के लिए खड़े होना मेरा काम है। हमारे अप्रवासन और श्रम कानूनों का गलत फायदा उठाया गया। मैं अमेरिकी कामगारों के हितों के लिए संघर्ष करती रहूंगी।' लॉरा ने कहा कि मेरे दिल में भारत या हिंदुओं के प्रति कोई नफरत नहीं है। मैं खुद हिंदुओं के अधिकारों की समर्थक हूं और हिंदुओं के खिलाफ हुए अत्याचारों के लिए अपनी आवाज उठाती रही हूं।

क्या ईरान में और बड़ी कार्रवाई की तैयारी कर रहे ट्रंप?

जानें क्यों अमेरिका ने रवाना किए B-2 स्टेल्थ बॉम्बर

वॉशिंगटन (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका ने ईरान के खिलाफ अपनी सैन्य कार्रवाई और तेज कर दी है। अमेरिकी सेना ने ऑपरेशन एपिक फ्यूरी के तहत बी-2 स्टेल्थ बॉम्बर्स को मिशन पर भेजा है। इन विमानों का लक्ष्य ईरान से जुड़े खतरों को खत्म करना और भविष्य में उसकी सैन्य क्षमता को फिर से खड़ा होने से रोकना बताया गया है। अमेरिका का कहना है कि यह कार्रवाई क्षेत्र की सुरक्षा और अपने सहयोगियों की रक्षा के लिए की जा रही है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड यानी सेंटकॉम ने बताया कि बी-2 स्टेल्थ बॉम्बर्स ने लंबी दूरी की मारक क्षमता के साथ मिशन शुरू किया है। सेंटकॉम के अनुसार इस अभियान का मकसद ईरानी शासन से जुड़े उन ठिकानों को निशाना बनाना है जिन्हें संभावित खतरा माना जा रहा है। बी-2 स्टेल्थ बॉम्बर दुनिया के सबसे आधुनिक बमवर्षक विमानों में गिना जाता है और यह दुश्मन के रडार से बचकर हमला करने में सक्षम है। ऑपरेशन एपिक फ्यूरी क्या है? अमेरिका के नेतृत्व में चल रहा ऑपरेशन एपिक फ्यूरी ईरान से जुड़े सैन्य ढांचे को कमजोर करने के उद्देश्य से शुरू किया गया है। अमेरिकी सैन्य अधिकारियों के अनुसार इस अभियान का लक्ष्य ऐसे ठिकानों को खत्म करना है जो क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए तत्काल खतरा पैदा कर सकते हैं। इस अभियान में कई तरह के सैन्य संसाधनों का इस्तेमाल किया जा रहा है और लंबी दूरी से हमले किए जा रहे हैं। इराक में अमेरिकी विमान दुर्घटना में क्या हुआ? इसी अभियान के दौरान 12 मार्च को इराक के पश्चिमी हिस्से में एक

अमेरिकी केसी-135 रिफ्यूलिंग विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। सेंटकॉम ने पुष्टि की कि विमान में सवार सभी छह सैनिकों की मौत हो गई। यह विमान ऑपरेशन एपिक फ्यूरी के समर्थन में उड़ान भर रहा था। अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि हादसा उस समय हुआ जब विमान मित्र देश के हवाई क्षेत्र में उड़ रहा था। क्या विमान को किसी हमले में गिराया गया था? अमेरिकी सेना का कहना है कि विमान दुर्घटना किसी दुश्मन के हमले या दोस्ताना गोलीबारी की वजह से नहीं हुई। अधिकारियों के अनुसार घटना के कारणों की जांच की जा रही है। विमान के गिरने के समय दो विमान अभियान में शामिल थे। इनमें से एक विमान पश्चिमी इराक में गिर गया जबकि दूसरा सुरक्षित लैंड करने में सफल रहा। ईरान की ओर से क्या दावा किया गया? ईरान के सरकारी मीडिया ने दावा किया है कि अमेरिकी रिफ्यूलिंग विमान को पश्चिमी इराक में प्रतिरोधी समूहों की ओर से दागी गई मिसाइल से गिराया गया। ईरान से जुड़े सूत्रों ने कहा कि विमान उस समय एक लड़ाकू विमान को ईंधन दे रहा था। हालांकि अमेरिका ने इन दावों को स्वीकार नहीं किया है और कहा है कि हादसे की वजह तकनीकी या अन्य कारण हो सकते हैं। सैनिकों की पहचान अभी सार्वजनिक क्यों नहीं की गई? अमेरिकी सेना ने कहा है कि हादसे में मारे गए सैनिकों के नाम फिलहाल सार्वजनिक नहीं किए जाएंगे। सेना की नीति के अनुसार पहले उनके परिवारों को आधिकारिक सूचना दी जाती है। इसके बाद ही नाम जारी किए जाते हैं। अधिकारियों ने कहा कि सभी सैनिकों को श्रद्धांजलि दी जा रही है और घटना की पूरी जांच जारी है।

चार साल के बच्चे की मौत, पिता गंभीर रूप से घायल

नई दिल्ली (एजेंसी)। मणिपुर के नोनी जिले में शनिवार सुबह हुए बम विस्फोट में एक चार वर्षीय बच्चे की मौत हो गई, जबकि उसके पिता गंभीर रूप से घायल हो गए। मणिपुर के नोनी जिले में शनिवार सुबह हुए बम विस्फोट में एक चार वर्षीय बच्चे की मौत हो गई, जबकि उसके पिता गंभीर रूप से घायल हो गए। यह घटना जिले के ताओलिंगपुंग गांव में सामने आई, जिससे इलाके में दहशत फैल गई। पुलिस और स्थानीय सूत्रों के अनुसार घटना सुबह करीब 8:30 बजे नामकाओलोंग पार्ट-2 इलाके में यह हादसा उस समय हुआ,

जब बच्चों के हाथ लगा एक संदिग्ध विस्फोटक अचानक फट गया। बताया जा रहा है कि बच्चे उसे घर लेकर आए थे और पिता उसे सुरक्षित तरीके से नष्ट करने की कोशिश कर रहे थे। मृतक बच्चे की पहचान कलाइंगामपौ पामेई (4) के रूप में हुई है। उसके पिता थुआनकुंगाम पामेई (40), विस्फोट में बुरी तरह घायल हो गए। बताया जाता है कि विस्फोटक को फेंकने या नष्ट करने के दौरान उनका पैर फिसल गया, जिससे धमाका हो गया। धमाका इतना तेज था कि पास खड़े बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पिता के दोनों पैरों में गंभीर चोटें आईं। घायल को तुरंत इंफाल स्थित अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। यह घटना खौपुम थाना क्षेत्र के अंतर्गत हुई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है।

वॉशिंगटन के चार बड़े एयरपोर्ट पर एक घंटे से ज्यादा समय तक बाधित रही हवाई सेवा, केमिकल जैसी गंध बना कारण

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका में शुक्रवार शाम वॉशिंगटन डीसी क्षेत्र के चार बड़े एयरपोर्ट पर अचानक उड़ानें रोकनी पड़ीं। एयर ट्रैफिक कंट्रोल सेंटर में तेज केमिकल जैसी गंध फैलने से वहां काम कर रहे कर्मचारियों को परेशानी होने लगी। सुरक्षा के मद्देनजर अधिकारियों ने कई फ्लाइट्स को अस्थायी रूप से रोक दिया, जिससे करीब एक घंटे तक हवाई सेवा प्रभावित रही। अमेरिका में शुक्रवार शाम एक अजीब घटना के कारण वॉशिंगटन डीसी और आसपास के चार बड़े हवाई अड्डों पर उड़ानें कुछ समय के लिए रोक दी गईं। बताया गया कि एअर ट्रैफिक कंट्रोल सेंटर में केमिकल की तेज गंध फैलने लगी थी, जिससे वहां काम कर रहे कर्मचारियों को परेशानी हो रही थी। इस वजह से लगभग एक घंटे से ज्यादा समय तक कई उड़ानों को रोका गया और कई फ्लाइट्स को और ज्यादा देरी का सामना करना पड़ा। बता दें कि इस घटना के चलते वॉशिंगटन के रोनाल्ड रीगन वाशिंगटन नेशनल एयरपोर्ट, वाशिंगटन डलेस इंटरनेशनल एयरपोर्ट, बाल्टीमोर-वाशिंगटन इंटरनेशनल एयरपोर्ट और रिचमंड इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर असर पड़ा। जहां की विमान सेवा एक घंटे तक बाधित रहीं। इन चारों एयरपोर्ट से आने-जाने वाली फ्लाइट्स को अस्थायी रूप से रोक दिया गया था। अब समझिए था पूरा मामला? अमेरिका के परिवहन विभाग के अधिकारी शॉन डफी ने सोशल मीडिया पर बताया कि यह गंध पोटोमैक नाम के एयर ट्रैफिक कंट्रोल सेंटर से आ रही थी।

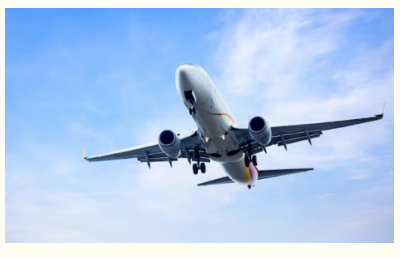

भविष्य के युद्ध के लिए भारत की नई रणनीति, जानें रासायनिक-परमाणु हमलों से कैसे निपटेगा देश

वॉशिंगटन (एजेंसी)। रक्षा बल विजन-2047 दस्तावेज में रासायनिक, जैविक, रेडियोलॉजिकल और परमाणु खतरों से निपटने के लिए आधुनिक सुरक्षा प्रणाली का खाका पेश किया गया है। इसका उद्देश्य भविष्य के युद्ध में तेजी से प्रतिक्रिया देना और सैनिकों व नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। बदलते वैश्विक हालात और भविष्य के युद्ध के खतरों को देखते हुए भारत ने सुरक्षा रणनीति को और मजबूत बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। रक्षा बल विजन-2047 दस्तावेज में रासायनिक, जैविक, रेडियोलॉजिकल और परमाणु यानी सीबीआरएन खतरों को गंभीर चुनौती बताया गया है। इस दस्तावेज में ऐसे हमलों से बचाव के लिए आधुनिक और एकीकृत सुरक्षा प्रणाली तैयार करने का खाका पेश किया गया है। इसका उद्देश्य भविष्य में किसी भी बड़े हमले की स्थिति में सेना और सुरक्षा एजेंसियों की प्रतिक्रिया को तेज और प्रभावी बनाना है। वजन दस्तावेज के अनुसार अब युद्ध केवल पारंपरिक हथियारों तक सीमित नहीं रह गया है। आधुनिक समय में सामूहिक विनाश के हथियारों का खतरा तेजी से बढ़ रहा है। खासकर जैविक खतरों को बड़ी चुनौती माना गया है क्योंकि ये अक्सर अदृश्य तरीके से फैलते हैं और इन्हें पहचानना मुश्किल होता है। इसलिए इन खतरों की पहचान, रोकथाम और त्वरित प्रतिक्रिया के लिए नई तकनीकों और व्यवस्थाओं

को विकसित करने की जरूरत बताई गई है। सीबीआरएन खतरों से निपटने के लिए मौजूदा व्यवस्था क्या है? इस समय सेना के पास कोर ऑफ इंजीनियर्स के तहत विशेष दस्ता है जो रासायनिक और जैविक खतरों से निपटने का काम करता है। इसके अलावा राष्ट्रीय आपदा मोचन बल यानी एनडीआरएफ की टीमें नागरिक सुरक्षा के लिए तैनात रहती हैं। रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन यानी डीआरडीओ भी इन खतरों से बचाव के लिए नई तकनीक और उपकरण विकसित कर रहा है। आधुनिक उपकरणों की क्या भूमिका होगी? पिछले वर्ष सेना ने 223 ऑटोमैटिक केमिकल एजेंट डिटेक्शन एंड अलार्म सिस्टम खरीदे हैं। यह सिस्टम वास्तविक समय में खतरनाक रसायनों का पता लगाने में सक्षम है। इसके अलावा स्वदेशी मोबाइल डिकंटेमिनेशन सिस्टम भी तैयार किए गए हैं। इन उपकरणों का इस्तेमाल किसी रासायनिक या जैविक हमले के बाद प्रभावित इलाके को सुरक्षित बनाने के लिए किया जाएगा। एकीकृत सुरक्षा प्रणाली क्यों जरूरी मानी गई है? रक्षा बल विजन-2047 का मुख्य उद्देश्य अलग-अलग एजेंसियों के बीच समन्वय को बेहतर बनाना है। फिलहाल कई एजेंसियां अलग-अलग उपकरण और प्रक्रियाओं के साथ काम करती हैं। इससे संकट के समय प्रतिक्रिया में देरी हो सकती है। नई योजना के तहत एकीकृत सुरक्षा प्रणाली तैयार की जाएगी ताकि हमले की स्थिति में सभी एजेंसियां मिलकर तेजी से कार्रवाई कर सकें। सुरक्षा उपकरणों और प्रशिक्षण में क्या बदलाव होंगे? नई नीति के तहत तीनों सेनाओं के लिए सुरक्षा उपकरणों की खरीद को मानकीकृत किया जाएगा। यानी एक ही तकनीकी मानकों वाले उपकरण खरीदे जाएंगे। इसके साथ ही प्रशिक्षण प्रक्रिया को भी एक समान बनाया जाएगा। इससे हमले की स्थिति में हर यूनिट की प्रतिक्रिया सटीक और समन्वित होगी।

जेडी वेंस का दावा- ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकने के लिए अमेरिका का सैन्य अभियान

वॉशिंगटन (एजेंसी)। जेडी वेंस ने कहा कि अमेरिका ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकने के लिए ऑपरेशन एपिक फ्यूरी के तहत सैन्य कार्रवाई कर रहा है। उन्होंने बताया कि यह कदम राष्ट्रपति ट्रंप की नीति के तहत उठाया गया है। वहीं ट्रंप ने दावा किया कि हमलों से ईरान की सैन्य क्षमता को गंभीर नुकसान पहुंचा है। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने शुक्रवार को कहा कि अमेरिका एक सैन्य अभियान चला रहा है, जिसे आधिकारिक तौर पर 'ऑपरेशन एपिक फ्यूरी' के नाम से जाना जाता है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि ईरान कभी भी परमाणु हथियार हासिल न कर सके। उन्होंने अमेरिकी नागरिकों से विदेशों में तैनात सैनिकों के लिए प्रार्थना करने का भी आग्रह किया। रॉकी माउंट में एक संबोधन के दौरान जेडी वेंस ने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य ईरान को परमाणु हथियार विकसित

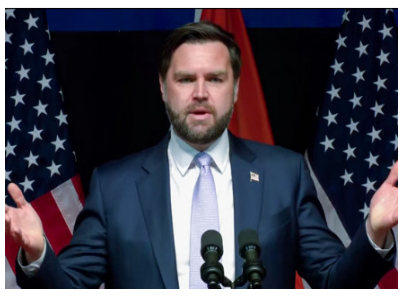

करने से रोकना है। उन्होंने दोहराया कि यह राष्ट्रपति की कही हुई बात है कि ईरान को कभी भी परमाणु हथियार हासिल करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। ईरान पर हमले की बताई वेंस ने वजह वेंस ने यह भी कहा कि पिछले अमेरिकी राष्ट्रपतियों ने भी इसी तरह की चिंताएं व्यक्त की थीं, लेकिन डोनाल्ड ट्रंप ने तेहरान को परमाणु हथियार प्राप्त करने से रोकने के लिए ठोस कदम उठाए थे। उन्होंने इस सिद्धांत को सरल और सीधा बताते हुए कहा कि हर राष्ट्रपति ने इस पर विश्वास व्यक्त किया है। डोनाल्ड ट्रंप ने यह सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय कदम उठाए हैं कि ईरान कभी भी परमाणु हथियार हासिल न कर सके। अमेरिकी सैनिकों के लिए प्रार्थना का आग्रह जेडी वेंस ने विदेशों में तैनात अमेरिकी सैनिकों के जोखिमों को भी स्वीकार किया और लोगों से प्रार्थना करने का आग्रह किया।

'पहले रोका और अब पूरी दुनिया से रूस से तेल खरीदने की भीख मांग रहा अमेरिका'

ईरानी विदेश मंत्री का तंज

तेहरान (एजेंसी)। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में अमेरिका पर तंज कसा है और कहा है कि जो अमेरिका पहले, भारत समेत दुनियाभर के देशों को रूस से कच्चा तेल न खरीदने का दबाव बना रहा था, अब वही अमेरिका दुनियाभर के देशों से रूस से कच्चा तेल खरीदने की गुहार लगा रहा है। ईरानी विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने शनिवार को रूसी तेल पर अमेरिका के रुख की आलोचना करते हुए दावा किया कि वाशिंगटन अब दुनिया भर के देशों से, जिसमें भारत भी शामिल है, रूसी कच्चा तेल खरीदने की गुहार लगा रहा है, जबकि पहले उसने रूस से तेल न खरीदने का दबाव डाला था। एक्स पर साझा एक पोस्ट में, अराघची ने कहा, 'अमेरिका ने भारत को रूस से तेल आयात बंद करने के लिए धमकाने में महीनों बिताए। ईरान के साथ दो हफ्ते के युद्ध के बाद, व्हाइट हाउस अब दुनिया से, जिसमें भारत भी शामिल है, रूसी कच्चा तेल खरीदने की भीख मांग रहा है।' ईरानी विदेश मंत्री ने यूरोपीय देशों की आलोचना की ईरानी विदेश मंत्री ने यूरोपीय देशों की भी आलोचना की। उन्होंने दावा किया कि यूरोपीय देश बदले में रूस के खिलाफ अमेरिकी समर्थन की उम्मीद कर रहे हैं। अराघची ने कहा, 'यूरोप ने सोचा था कि ईरान पर अवैध युद्ध का समर्थन करने से उन्हें रूस के खिलाफ अमेरिकी समर्थन मिल जाएगा। यह बहुत ही दयनीय है।' इस बीच, रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के बीच ईरान ने भारत के झंडे वाले दो लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस (छढक्र) वाहक जहाजों को होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने की अनुमति दे दी है। रिपोर्ट्स में कहा गया है कि सऊदी अरब का तेल ले जा रहा एक कच्चा तेल टैंकर शनिवार को भारत पहुंचने की उम्मीद है, जो 1 मार्च के आसपास होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरा था। ईरान ने भारत के जहाजों को होर्मुज से निकलने की दी अनुमति इससे पहले, भारत में ईरान के राजदूत मोहम्मद फथाली ने पुष्टि की थी कि पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य से भारत जाने वाले जहाजों को सुरक्षित मार्ग प्रदान करेगा। इस सवाल का जवाब देते हुए कि क्या ईरान भारत जाने वाले जहाजों को होर्मुज जलडमरूमध्य से सुरक्षित गुजरने की अनुमति देगा?

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. UPHIN/2016/67511 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा दीक्षित प्रिंटिंग प्रेस 120/51/1 मॉडल हाउस लखनऊ से मुद्रित एवं 233जी इंद्रलोक कॉलोनी कृष्ण नगर लखनऊ से प्रकाशित।
E-Mail : mantralko1008@gmail.com । सम्पादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 7007837917 । वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र लखनऊ न्यायालय होगा।